तापमान

अधिकतम 32.9 डिग्री

न्यूनतम 25.7 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, गुरुवार 24 जुलाई 2025

15 सुबह-सुबह स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे डीके और आंबेडकर...

16 जनभागीदारी से स्वच्छता आंदोलन को मिलेगी ...

महासमुंद मेडिकल कॉलेज में मिली शिकायत, जांच के बाद सभी अस्पतालों से बैच जी-409 के सर्जिकल ब्लेड वापस

जंग लगी ब्लेड से मरीजों को सेप्टिक का खतरा, नए बैच की होगी सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

महासमुंद के शासकीय मेडिकल कालेज से निकली शिकायत के बाद सीजीएमएससी ने बैच जी-409 के सर्जिकल ब्लेड के उपयोग पर पाबंदी लगा दी है। इस मामले में दवा कार्पोरेशन की ओर से सभी मेडिकल कालेज और सरकारी अस्पतालों को ब्लेड वापस कर नये बैच की सप्लाई करने आश्वासन दिया है। जंग लगे ब्लेड के ऑपरेशन थियेटर में उपयोग से मरीज को सेप्टिक होने का खतरा था।

इस सर्जिकल ब्लेड की सप्लाई मुंबई की गोल्डविन मेडिकेयर लिमिटेड द्वारा की गई थी। महासमुंद मेडिकल कालेज के स्टॉफ ने प्रबंधन के माध्यम से दवा कार्पोरेशन को सूचना दी, अस्पताल द्वारा बैच नंबर जी 409 का पैकेट खोला गया था, जिसके सर्जिकल ब्लेड में जंग लगा हुआ था। इस दौरान यह आशंका जताई गई थी कि इसके उपयोग से मरीजों को सेप्टिक हो सकता है। इसके बाद सीजीएमएससी द्वारा इसके उपयोग पर रोक लगाई गई थी। मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई थी। जांच के बाद इस बैच के सर्जिकल ब्लेड साइज 22 को उत्पाद में अयोग्य पाए जाने के बाद सभी मेडिकल कॉलेजों तथा शासकीय अस्पताओं से वापस मंगवाया है। सीजीएमएससी की एमडी पद्मिनी भोई साहू ने बताया कि संबंधित फर्म से पुराने बैच के सर्जिकल ब्लेड के बदले नए बैच की आपूर्ति सभी अस्पतालों में की जाएगी।

शुरुआती दौर में क्लीन चिट

महासमुंद मेडिकल कालेज से शिकायत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच में सर्जिकल ब्लेड को क्लीन चिट देने का प्रयास किया गया था। महासमुंद ड्रग वेयर हाउस के सहायक प्रबंधक की ओर से सीएचसी छुरा, बागबहरा और बसना में किसी तरह की शिकायत नहीं होने की पुष्टि की गई थी। साथ ही अन्य संस्थानों से भी शिकायत नहीं मिलने के दावे किए गए थे। हालांकि विभागीय स्तर पर इसकी पुनः जांच कराने के बाद कार्रवाई की गई है।

खास बातें

- दवा निगम ने सभी मेडिकल कालेज और सरकारी अस्पतालों को दिया निर्देश
- जंग लगे ब्लेड के ऑपरेशन थियेटर में उपयोग से मरीज को सेप्टिक होने का खतरा था

सीजीएमएससी का कमाल, इस बार मरीजों की सर्जरी के लिए भेज दिया जंग लगा सर्जिकल ब्लेड

मिली थी और भी शिकायत

सर्जिकल ब्लेड के अलावा ग्लूकोज चढ़ाने वाले सेट, मिर्गी का झटका रोकने वाली दवा और प्रेग्नेंसी टेस्ट किट की शिकायत के बाद उसके उपयोग पर भी रोक लगाई गई थी। दवा निगम की महाप्रबंधक का दावा था कि इन मामलों की जांच की जा रही है और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। तेरह दिन बीतने के बाद भी इस मामले में अब तक किसी तरह का एक्शन नहीं लिया गया है।

खबर संक्षेप

पेट्रोल पंप कर्मी युवती के साथ झपटमारी

रायपुर। डीडीनगर थाने में पेट्रोल पंप में काम करने वाली एक युवती ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ पेट्रोल पंप का नोटों से भरा बैग, जिसमें 20 हजार रुपए थे, लूटकर फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वर्धमान फ्यूल्स में गाड़ियों में पेट्रोल डालने वाली युवती डोमेश्वरी साहू ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। डोमेश्वरी ने पुलिस को बताया है कि 17 अगस्त को वह सुबह साढ़े 11 बजे गाड़ियों में पेट्रोल डाल रही थी। इस दौरान अज्ञात स्कूटी सवार पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने आया। पेट्रोल भरवाकर जाने के बाद स्कूटी चालक पुनः पेट्रोल पंप पहुंचा और डोमेश्वरी के कंधे में नोटों से भरा बैग झपट्टा मार छीन कर मौके से फरार हो गया। सीसीटीवी फूटेज की पड़ताल करने पर स्कूटी का नंबर सीजी 04 एलजे 5433 होना पाया गया।

जूठा फेंकने के विवाद पर मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खम्हारडीह थाने की पुलिस ने जूठा फेंकने के विवाद पर मारपीट तथा बलवा करने के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल नौ बदमाशों को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है। संजय चौधरी की शिकायत पर पुलिस ने सिविल लाइंस, राजातालाब निवासी मोहम्मद अनस खान को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद अनस खान फरार चल रहा था, बुधवार को वह चोरी छिपे अपने परिजनों से मिलने घर पहुंचा। मुखबिर की सूचना मिलने पर पुलिस ने अनस को उसके घर से गिरफ्तार किया।

सवा करोड़ रुपए अमानत में खयानत, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। विधानसभा थाने की पुलिस ने ऑनलाइन सवा करोड़ रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर अमानत में खयानत करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।केमप्लास्ट प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल की शिकायत पर पुलिस ने सागर तिवारी को गिरफ्तार किया है। अनुराग ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि सागर ने एक जुलाई से लेकर अब तक बैंक तथा वित्तीय लेन-देन की रकम अवैध तरीके से कंपनी के अकाउंट से निकालकर अपने अकाउंट में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर अमानत में खयानत की है।

ट्रक की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

रायपुर। मुजगहन थाना क्षेत्र में बाइक से रायपुर आ रहे एक बुजुर्ग की बाइक को एक ट्रक चालक ने ठोकर मार दी। ट्रक की ठोकर लगने से गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ब्राम्हण पारा निवासी नरेंद्र तिवारी की रोड एक्सीडेंट में मौत हुई है। पुलिस के अनुसार 19 जुलाई को नरेंद्र अपनी बाइक से माना से रायपुर आ रहे थे। इस दौरान माना मोड ट्रैफिक सिग्नल के पास टाटा 407 सीजी 04 एलडी 6469 के चालक ने लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए नरेंद्र की बाइक को ठोकर मार दी। बाइक की ठोकर लगने से गंभीर रूप से घायल नरेंद्र की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

25 जुलाई से अगस्त अंत के मध्य आएगी नैक टीम

हो गया खाने-पीने का इंतजाम लेकिन प्लेसमेंट में अब भी फिसड्डी, शोध गुणवत्ता पर जताई थी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में नैक ग्रेडिंग के लिए यूजीसी टीम कल अर्थात 25 जुलाई से अगस्त अंत के मध्य कभी भी दौरे के लिए आ सकती है। पूर्व में नैक टीम के 25 जुलाई को आने की अटकलें थीं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के अनुसार नैक टीम अब तक निर्धारित तिथि नहीं दे सकी है। इधर, विश्वविद्यालय ने नैक ग्रेडिंग के लिए अपनी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली हैं। पिछली बार निरीक्षण के दौरान जो कमियां गिनाई गई थीं, उनमें से कई कमियों को रविवि ने दूर कर लिया है, लेकिन प्लेसमेंट सहित शोध कार्य अब भी एक बड़ा संकट बना हुआ है। यह पहली बार है जब नैक ग्रेडिंग के पांच वर्ष पूर्ण होने के पहले ही यूजीसी की टीम पुनः दौरे के लिए आ रही है। पिछली ग्रेडिंग से असंतुष्ट होने पर रविवि ने पुनः ग्रेडिंग के लिए अर्जी दी थी। 2023 में ए ग्रेड से बी ग्रेड पर फिसलने के बाद रविवि फिर से पुराना ग्रेड हासिल करने मशक्कत कर रहा है। रंग-रोगन सहित अन्य कार्य हो चुके हैं। रविवि ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साप्ताहिक तथा शासकीय अवकाश भी अगस्त अंत तक रद्द कर दिए हैं।

खोला गया था अस्थायी कैंटिन

इंडियन कॉफी हाऊस द्वारा रविवि में कोरोनाकाल से पूर्व कैंटिन का संचालन किया जा रहा था। कोरोनाकाल में घाटे के दौरान कैंटिन बंद होने के बाद दोबारा प्रारंभ नहीं हो सकी। 2023 में नैक निरीक्षण के दौरान अस्थायी रूप से कैंटिन खोला गया था। इसे लेकर निरीक्षण टीम ने नाराजगी जताई थी। इसके अलावा छात्रावास में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी टीम संतुष्ट नजर नहीं आई थी। रविवि ने 2025 की शुरुआत में कैंटिन प्रारंभ कर दी है। छात्रावास के भोजन गुणवत्ता में भी सुधार का यत्न किया जा रहा है।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड खराब

पिछले निरीक्षण के दौरान जिन बिंदुओं पर रविवि की ग्रेडिंग घटी थी, उनमें छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुविधा एक मुख्य मुद्दा थी। रविवि का प्लेसमेंट रिकॉर्ड हमेशा से ही खराब रहा है। अधिकतर वर्षों में दो दर्जन से अधिक छात्रों का चयन रविवि अध्ययनशाला से नहीं हो सका है। किसी-किसी वर्ष ये आंकड़े दहाई तक भी नहीं पहुंच पाते हैं। जिन छात्रों को नौकरी रविवि यूटीडी में प्लेसमेंट के माध्यम से मिलती है, उनकी तनख्वाह भी विशेष उत्साहजनक नहीं रहते हैं।

खरीदी गई किताबें

पुस्तकालय में उपलब्ध किताबें आउटडेटेट होने की बात भी सामने आई थी। रविवि द्वारा पिछले दो वर्षों में लाखों रूपए की किताबें इस कमी को दूर करने खरीदी गई हैं।प्रदेश का सबसे बड़ा विवि होने के बाद भी रिसर्च में रविवि कमजोर साबित होता है। यहां के प्राध्यापक भी नवाचार नहीं करते। नैक टीम इसे लेकर असंतुष्ट नजर आई थी। पिछले दो सालों में प्राध्यापकों के शोध कार्य को बढ़ावा देने रविवि ने कई तरह की योजनाएं प्रारंभ की हैं।

डिजिटल निरीक्षण की भी तैयारी

रायपुर के शीर्ष निजी महाविद्यालयों में एक दुर्गा कॉलेज में भी पिछले माह नैक टीम का दौरा प्रस्तावित था। दुर्गा महाविद्यालय नैक टीम का इंतजार करता रहा, लेकिन टीम भौतिक निरीक्षण के लिए नहीं आई। इसके स्थान पर डिजिटल निरीक्षण किया गया। ऑनलाइन वीडियो कॉलिंग के जरिए पूरे महाविद्यालय का निरीक्षण टीम द्वारा दो दिनों तक किया गया। प्राध्यापकों सहित कई स्टाफ से सवाल भी पूछे गए। रविवि ने इस तरह की स्थिति के लिए भी तैयारी पूर्ण कर ली है। डिजिटल निरीक्षण के लिए अनुभवी लोगों की राय ली गई है। हालांकि विवि का पूरा जोर भौतिक जांच पर ही है।

तैयारी पूर्ण

नैक दौरे के लिए रविवि की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। हम

- प्रो.राजीव चौधरी, मीडिया प्रभारी, रविवि

दो महीने माथापच्ची के बाद पुस्तकें बंटेंगी बगैर स्कैनिंग

हर किताब में लिखना होगा छात्र का नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्कूलों में किताबें अब बगैर स्कैनिंग के ही बांटी जाएंगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ऑनलाइन हुए बैठक के बाद नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

- ऑनलाइन हुई बैठक में लोक शिक्षण संचालनालय ने दिए नए दिशा-निर्देश

इसके मुताबिक, अब छात्रों को किताबें वितरित किए जाने के लिए स्कैनिंग की आवश्यकता नहीं होगी। यदि कोई किताब स्कैन नहीं हो पा रही है तो उसे बगैर स्कैन किए ही छात्रों को बांटा जा सकेगा। हालांकि वितरण के पूर्व किताब में उस छात्र का नाम लिखना होगा, जिसे उक्त किताब दी गई है। किताबें स्कैन होने अथवा ना होने, दोनों ही स्थितियों में स्कूलों को एक दिन के भीतर वितरण करना होगा। इसके अलावा यदि एक संकुल में किताबें अधिक हो गई हैं तो उसे दूसरे संकुल में भेजा जा सकेगा। यदि किसी स्कूल में ▶▶|शेष पेज 15 पर

क्यूआर कोड में खराबी की शिकायतें

स्कूलों द्वारा किताबों में दिए गए बार कोड स्कैन नहीं होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। चूंकि स्कैनिंग के बगैर किताबें नहीं बांटे जाने का आदेश दिया गया था, इसलिए इनका वितरण जुलाई के अंतिम पखवाड़े तक भी नहीं हो सका है। क्यूआर कोड में खराबी की शिकायतों के बाद कई किताबों के ऊपर दोबारा क्यूआर कोड का स्कैनर लगाया गया। इसके बाद भी स्कैनिंग नहीं हो सकी। कई डिपो में शिक्षक आधी रात तक बैठकर किताबें स्कैन करने रहे थे।

हो चुका नुकसान

यह मांग हम जून से कर रहे हैं। पहले ही व्यवस्था बदल दी जाती तो छात्रों की पढ़ाई का नुकसान नहीं होता और ना ही शिक्षकों को तकलीफ उठानी पड़ती।

- राजीव गुप्ता, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

मौसम के अजब रंग...

टिकरापारा में मूसलाधार लालपुर में मामूली बारिश, कई इलाके सूखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून के सक्रिय होने से पहले स्थानीय असर से दो दिन से हो रही खंड वर्षा अजब असर दिखा रही है। बुधवार को दोपहर टिकरापारा इलाके में पौन घंटे तक मूसलाधार बारिश होती रही और दो किमी दूर लालपुर में हल्का असर रहा तथा कई इलाकों में तो सूखे की स्थिति बनी रही।

- मानसून के सक्रिय होने से पहले स्थानीय प्रभाव से खंड वर्षा

शहरी के कई इलाकों में जहां तीन से चार सेमी. बारिश हुई, वहीं लालपुर की मौसम वेधशाला में आंकड़ा 1.7 मिमी. से आगे नहीं बढ़ा।

मंगलवार के सुबह दस बजे से शुरू हुई बारिश घंटेभर तक अनवरत रूप से जारी रही, मगर इसके असर से शहर के बाहरी इलाके दूर रहे। बुधवार को भी कुछ इसी तरह की स्थिति बनी रही और दोपहर पौन ▶▶|शेष पेज 15 पर

यहां हुई जमकर बारिश

पिछले चौबीस घंटे में बस्तर के उसूर में 10 सेमी., भैरमगढ़ में 9, सुकमा में 7, कुसमी, दुर्गुकोंदल, जगदगलपुर में 6-6, ओरछा, पाटन, गंडई, बीजापुर, गीदम, छोटे डोंगर, जगरगुंडा में 5-5 सेमी. बारिश हुई है। इसके अलावा दर्जनभर से ज्यादा इलाकों में 4 से 1 सेमी. तक बारिश दर्ज की गई है।

कई सिस्टम सक्रिय

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर फिरोजपुर, करनाल, मेरठ, वाराणसी, जमशेदपुर, दीघा और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर विस्तारित है। दूसरा चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र अगले 24 घंटे में बनेगा। एक द्रोणिका उत्तर पूर्व अरब सागर से पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर दक्षिण गुजरात, उत्तर मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना, उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश होते हुए मौजूद है।

दो किशोर एनिकट में बहे सैर सपाटा करने निकले थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आजाद चौक थाना क्षेत्र के रामकुंड में रहने वाले दो किशोर एनिकट में डूब गए, जिनमें से एक का शव बरामद हुआ है। दूसरे की तलाश की जा रही है। एक किशोरी सहित पांच किशोर सैर सपाटा करने निकले थे। वहां दो किशोर जमराव एनीकट में नहाने उतर गए और दोनों डूब गए। अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू का काम गुरुवार को किया जाएगा। सभी किशोर जमराव स्थित खारुन नदी में बने एनिकट में सैर करने बुधवार दोपहर 12 बजे निकले थे। अमलेश्वर टीआई रामनारायण ध्रुव के मुताबिक यशवंत हरपाल (16), आशीष साहू (16), देवेश बाघ (17), गौरव भोई (16), गौरव साहू (15) तथा आशीष की छोटी बहन खुशी (14) सभी जमराव एनिकट के पास पहुंचे थे। एनिकट में डूबने से यशवंत की मौत हुई है, आशीष की तलाश जारी है। बताया जा रहा है, शाम चार बजे ▶▶|शेष पेज 15 पर

- सैर सपाटा पर निकले छात्र रामकुंड के रहने वाले

शोर मचाने पर लोग बचाने नदी में कूदे

आशीष तथा यशवंत को पानी के तेज बहाव में बहते देख चीख-पुकार मच गई, आशीष की बहन रोने लगी। इस दौरान मौके पर उपस्थित लोगों को बच्चों ने घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने पर जो तैरना जानते थे, वे आशीष तथा यशवंत को बचाने पानी में कूद गए। काफी खोजबीन के बाद लोगों ने यशवंत को एनिकट से बाहर निकाला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। काफी तलाश के बाद आशीष के नहीं मिलने पर मौके पर उपस्थित लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

चपरासी से बाबू बनने की राह हुई कठिन, कंप्यूटर डिग्री का रोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने अब चपरासी से तृतीय श्रेणी लिपिकीय संवर्ग में पदोन्नति के लिए मान्यता प्राप्त संस्था से कंप्यूटर डिग्री की शर्त जोड़ दी है। इससे पूर्व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के लिए हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण होने व 5 साल की सेवा पूर्ण होने का नियम था। नया नियम आने से हजारों चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी प्रमोशन से वंचित हो सकते हैं।

- चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी पदोन्नति के लिए जीएडी ने जारी किया सेवा भर्ती नियम

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर कहा है कि कनिष्ठ सचिवालय सहायक के कुल 25 प्रतिशत पदों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति द्वारा भरा जाएगा। इसके लिए किसी ▶▶|शेष पेज 15 पर

नए निर्देश में यह जोड़ा गया

अब सामान्य प्रशासन विभाग ने नया निर्देश जारी कर चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी के पद पर 25 प्रतिशत स्वीकृत पद पर तृतीय श्रेणी लिपिकीय संवर्ग में पदोन्नति के लिए मान्यता प्राप्त संस्था से कंप्यूटर डिग्री प्राप्त करने की शर्त जोड़ दी है। नई शर्त के बाद प्रदेश के हजारों चतुर्थ श्रेणी भृत्य पद पर कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे। राजपत्र में अन्य उच्च पदों पर भी निर्धारित योग्यता में वृद्धि कर डिप्लोमा, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, विश्वविद्यालय से साइंस व कंप्यूटर साइंस में बढ़ा दिया है।

पहले पदोन्नति के लिए यह था नियम

पूर्व में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को विभाग में स्वीकृत तृतीय श्रेणी के पदों में से 10 प्रतिशत पदों पर हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण होने व 5 साल की सेवा पूर्ण होने पर तृतीय श्रेणी में पदोन्नति प्रदान करने का आदेश था। वर्तमान में विभागों में स्वीकृत तृतीय श्रेणी के लिपिकीय पदों पर चतुर्थ श्रेणी के ऐसे भृत्यों को जो 5 वर्ष की सेवाएं पूर्ण कर चुके हैं, हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण कर लिए हैं, उन्हें सकारात्मक गोपनीय चरित्रावली के आधार पर विभागीय पदोन्नति समिति, लिपिक के पद पर पदोन्नत होती थी। पुराने निर्देशों में मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण होने या कंप्यूटर पास होने संबंधी शर्त नहीं थी।

अधिसूचना वापस लेकर पूर्व की भांति दें पदोन्नति

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष बिन्देसरी राम रौतिया ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि तत्काल इस राजपत्र की अधिसूचना को वापस लिया जाए तथा उनके कार्य अनुभव के आधार पर पूर्व की भांति यथावत पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया जाए, अन्यथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ, सीआईबी ने चलाया ज्वाइंट ऑपरेशन, 48 लोगों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे स्टेशन से असामाजिक तत्वों को खदेड़ने के लिए रेलवे सुरक्षा बल और अपराध गुप्तचर शाखा ने संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान वहां बेवजह घूमने वालों के साथ यात्रियों के बीच दहशत का

कारण बनने वाले किन्नर, अवैध वेंडरों के साथ आटो चालकों सहित 48 लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की।

रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर पिछले कुछ समय से आटो वालों का जमावड़ा हो जाता था, जिससे यात्रा पूरी कर आने अथवा जाने वालों को काफी परेशानी होती थी। आटो चालक ▶▶|शेष पेज 15 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

रींवा में लोरिक नगर बाल कल्याण समिति गठित

आरंग। सरस्वती शिशु मन्दिर रीवा में लोरिक नगर बाल कल्याण समिति का गठन सर्वसम्मति से हुए। अध्यक्ष पद के लिए सुरेंद्र नशीने, उपाध्यक्ष दिलीप कुर्रे, सचिव ईश्वरी प्रसाद साहू, सहसचिव कुलदीप चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष देवनारायण साहू व सदस्यों में नन्द कुमार साहू, शोभाराम साहू, भोज चन्द्राकर, सावित्री साहू, धनेश्वरी साहू मनोनीत किए गए। इस अवसर चुनाव अधिकारी के रूप में जिला समिति के डोमार वर्मा, पुनाराम वर्मा, मुकेश साहू व तोषन साहू उपस्थित थे।

हरेली पर छग महतारी और कृषि औजारों की पूजा की

धरसींवां। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय कुंरा में छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार हरेली को छत्तीसगढ़ महतारी एवम कृषि के औजारों के पूजन के साथ मनाया गया। प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया कि विद्यालय में प्रत्येक त्योहार को सेलिब्रेट करने का उद्देश्य बच्चों को उनकी संस्कृति के जोड़ना हैं, विविध आयोजन से बच्चो की प्रतिभा निखरती हैं। विगत वर्ष के तरह इस वर्ष भी विद्यालय के सभी शिक्षकों ने हरेली त्योहार को बच्चों के साथ खूब हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर विविध पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साथ पारंपरिक खेलों का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने गेड़ी, फुगड़ी, रस्सा कसी, कुर्सी दौड़ मे बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया। हरेली के अवसर पर बच्चों एवम शिक्षकों द्वारा पौधा रोपण भी किया गया।

योग शाखा में चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

आरंग। अग्रसेन योगासन शाखा एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर अग्रवाल पारा आरंग ने देशभक्त चन्द्रशेखर आजाद की 120वी जयंती मनाई। अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग अपने नित्य दिनचर्या आसन प्राणायाम ध्यान योग एवं संघ प्रार्थना के बाद मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कंडरा पार्षद एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष शंकर पाल द्वारा चन्द्रशेखर आजाद, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एवं गुरुजी सदाशिव गोलवलकर जी की छाया चित्र पर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस अवसर पर रविंद्र अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, दीपक गोस्वामी, ओम गुप्ता, होरी गुप्ता, बलराम साहू, विनय पटेल, रामकुमार कंसारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार ठाकुर एवं आभार व्यक्त बृजेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

हरेली पर आज कुकरा में क्रिकेट होगी प्रतियोगिता

आरंग। आरंग विकासखंड के ग्राम कुकरा में हरेली पर्व के पावन अवसर पर 24 जुलाई को एक अनूठे आयोजन की तैयारी की गई है। ग्राम पंचायत सरपंच नन्दलाल डहरिया के विशेष प्रयासों से /"एक पेड़ माँ के नाम/" थीम पर सरपंच ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें भाग लेने वाले हर खिलाड़ी को एक पौधा रोपित करना अनिवार्य होगा, जिसे वह अपनी माँ के नाम समर्पित करेगा और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी लेगा। यह पहल खेल और पर्यावरण संरक्षण के अद्भुत संगम को दर्शाती है। इस अवसर पर सरपंच नन्दलाल डहरिया ने बताया कि खेले भी और पेड़ भी लगाएँ यही संदेश हम अपने युवा खिलाड़ियों को देना चाहते हैं।

निधन

जेठू राम खुटेल

सिलयारी। ग्राम नेऊरडीह निवासी 66 वर्षीय सरकारी रिटायरमेंट कर्मचारी जेठू राम खुटेल का मंगलवार को निधन हो गया । जिसका अंतिम संस्कार नेऊरडीह के श्मशान घाट में किया गया । वे मथुरा प्रसाद खंडेलवाल, फूलचंद , मोहनलाल के भाई थे । रोशन के पिता थे तथा शम्मी नवीन सुमित आदित्य मेघा के दादा थे ।

अभियान : हरेली पर जनप्रतिनिधियों ने हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वृहद पौधारोपण अभियान में विधायक पंच-सरपंचों ने निभाई सक्रिय भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

लोक पर्व हरेली के पावन अवसर पर, धरसींवा विधानसभा क्षेत्र पर्यावरण संरक्षण के एक अनूठे अभियान का साक्षी बना. 'मां के नाम पेड़' की संकल्पना पर आधारित इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में, क्षेत्र के विधायक श्री अनुज शर्मा सहित विभिन्न पंचायतों के सरपंचों और पंचों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता जताई. इस दौरान, जनप्रतिनिधियों ने सिर्फ पौधे ही नहीं लगाए, बल्कि अपने प्रेरणादायक संदेशों से जनमानस को भी प्रकृति से जुड़ने और उसे संवारने के लिए प्रेरित किया. यह अभियान केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि इसने धरती मां के प्रति आभार और भविष्य के लिए हरियाली के संकल्प को एक नई ऊर्जा दी है।

हरेली पर्व प्रकृति से जुड़ने का संदेश देता है: विधायक

पूरे विधानसभा क्षेत्र में 'मां के नाम पेड़' अभियान की अगुवाई करते हुए धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा, हरेली का त्योहार हमें प्रकृति से जुड़ने का संदेश देता है. आज 'मां के नाम पेड़' अभियान के माध्यम से हम अपनी धरती मां के प्रति अपना आभार व्यक्त कर रहे हैं. हरेली की पूर्व संध्या पर धरसींवा के ग्राम पंचायत मोतिमपुर में भी हमने 'मां के नाम पेड़' लगाए हैं, यह एक प्रेरणादायक शुरुआत है. यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और हरा-भरा वातावरण छोड़ें. मुझे खुशी है कि हमारे क्षेत्र के सरपंच, पंच और आम नागरिक इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं. यह दिखाता है कि धरसींवा के लोग पर्यावरण के प्रति कितने जागरूक और समर्पित हैं.।

हरेली त्योहार किसान और किसानी के लिए महत्वपूर्ण

इस अवसर पर कृषक सेवा सहकारी समिति धरसींवा अध्यक्ष श्री कौशल साहू व पूर्व मण्डल अध्यक्ष डाक्टर के के वर्मा ने कहा हरेली मूलतः किसानों का पर्व है। इस दिन वे अपनी खेती-किसानी में उपयोग होने वाले सभी औजारों—जैसे हल, गैंती, फावड़ा, कुल्हाड़ी, रापा—की साफ-सफाई कर, उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। यह उन उपकरणों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का तरीका है, यह पर्यावरण और प्रकृति के प्रति सम्मान का पर्व भी है। यह हरियाली का पर्व है, जो चारों ओर फैली नई फसलों और पौधों के जीवन का उत्सव मनाता है।

सिलयारी- कुरूद में पौधारोपण अभियान

सिलयारी कुरूद में आंगनबाड़ी परिसर में वृक्षारोपण के बाद सरपंच श्रीमती रूखमणी साहू ने भावुक होकर कहा, हरेली का पर्व हमें प्रकृति से जुड़ने और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है. जिस प्रकार एक मां अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार हमारी धरती मां हमें जीवन देती है. आज जब हम एक पौधा लगाते हैं, तो वह सिर्फ एक बीज नहीं होता, बल्कि वह हमारे भविष्य की आशा, शुद्ध हवा का स्रोत और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण का वादा होता है. यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी धरती मां का सम्मान करें और उसे हरा-भरा बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करें. आइए, हम सब मिलकर इस हरित अभियान का हिस्सा बनें और हरियाली की इस परंपरा को आगे बढ़ाएं।

लखौली स्कूल में 150 पौधों का किया रोपण

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौली में मंगलवार को संकुल स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक पेड़ माँ के नाम 2.0 थीम के अंतर्गत 'हरियर विद्यालय' कार्यक्रम के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत लखौली के सरपंच हिरामन साहू, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष शेखर साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, विधायक प्रतिनिधि रत्थु साहू, प्राचार्य राज्यश्री गुप्ता एवं संकुल समन्वयक सुरेंद्र चंद्रसेन की उपस्थिति में विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार एवं फूलदार कुल 150 पौधों का रोपण किया गया।

पंचायतों में हरेली की पर्व संध्या सन्देश

धरसींवा में वृक्षारोपण करते हुए सरपंच साहिल खान ने कहा, हरेली छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार है, जो हमें प्रकृति से जोड़ता है. 'मां के नाम पेड़' अभियान के माध्यम से हम अपनी धरती मां के प्रति अपना आभार व्यक्त कर रहे हैं. यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने गांव को हरा-भरा बनाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करें./"पंच मो. याकूब ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, /"पेड़ लगाना सिर्फ एक कार्य नहीं, बल्कि एक संस्कृति है. हमें अपने बच्चों को भी पेड़ों के महत्व के बारे में सिखाना चाहिए ताकि वे भी पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बन सकें. हरेली के इस मौके पर, मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं।

जीटीडब्ल्यूएस प्रशिक्षण में पारस उत्कृष्ट, हुए सम्मानित

धरसींवा। स्थानीय निवासी और जेसी यूथ कैपिटल से सक्रिय रूप से जुड़े महेश अग्रवाल के सुपुत्र पारस अग्रवाल को गोवा और महाराष्ट्र में आयोजित प्रतिष्ठित जी टी डब्लू एस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट प्रदर्शनकर्ता' के सम्मान से नवाजा गया है। यह उपलब्धि उनके समर्पण और असाधारण प्रतिभा का परिचायक है। यह चार दिवसीय क्षेत्रीय-स्तरीय कार्यक्रम था, जिसमें ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ सहित कई राज्यों से चयनित ऊर्जावान युवा प्रतिभागियों ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से जेसीआई संगठन से संबद्ध युवाओं के लिए तैयार किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना, व्यक्तित्व को निखारना और सामाजिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने विभिन्न नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक सेवा-उन्मुखी गतिविधियों और कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे उनके कौशल और ज्ञान में वृद्धि हुई। अपनी इस विशेष उपलब्धि का पूरा श्रेय पारस अग्रवाल ने विनम्रतापूर्वक अपने मार्गदर्शक, पीपीपी एचएफआर श्री राजेश अग्रवाल को दिया।

चरौदा स्कूल में चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

बुधवार को चंद्रशेखर आजाद जयंती के अनुसार पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बच्चों ने आजाद को स्मरण किया और चंद्रशेखर आजाद की जयघोष के नारे लगाए। वहीं वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र पटेल ने बच्चों को चंद्रशेखर आजाद की जीवनी विस्तार से बताते हुए कहा आजाद जैसे महान क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान से ही हमें आजादी मिली है। उन्होंने जीते जी कभी अंग्रेजो के हाथ नहीं आए। उनके अदम्य साहस और वीरता से अंग्रेज लोग घबराते थे। अंग्रेजों ने आजाद को पंद्रह बेत लगाने की सजा दी उन्होंने उफ़ तक नहीं की।आज भी आजाद की जीवनी पढ़ने मात्र से ही देशभक्ति का भाव जागृत हो जाता है। हमें देश के बलिदानियों को सदैव स्मरण करना चाहिए। इस अवसर पर संस्था प्रमुख के के परमाल, शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, दीनदयाल धीवर, शिक्षिका संगीता पाटले सहित बड़ी संख्या में बच्चों की उपस्थिति रही।

चैतन्य की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का प्रदर्शन जन विरोधी : सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

■ कानूनी कार्रवाई को राजनीति रंग देना अनुचित

प्रदेश में शराब घोटाले और अवैध कारोबार पर सरकार की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किया गया प्रदर्शन अब सियासी तूल पकड़ता जा रहा है। इसी बीच भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री अशोक सिन्हा ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए इसे जनविरोधी और भ्रष्टाचार समर्थक मानसिकता का उदाहरण बताया।

अशोक सिन्हा ने कहा कि भाजपा सरकार शराब माफियाओं पर सर्जिकल स्ट्राइक कर रही है। वर्षों से चला आ रहा भ्रष्टाचार अब खत्म हो रहा है, जिससे कांग्रेस को पीड़ा हो रही है। चैतन्य की गिरफ्तारी कानून के तहत हुई है। यदि कोई निर्दोष है तो उसे न्याय मिलेगा, लेकिन कांग्रेस का यह उग्र प्रदर्शन लोकतंत्र को कमजोर करने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की सरकार 'भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़' की दिशा में लगातार काम कर रही है। /"हमने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कठोर अभियान चलाया है, और अब तक कई रसूखदारों को जेल के अंदर भेजा जा चुका है। इससे यह स्पष्ट है कि भाजपा न कानून से ऊपर किसी को मानती है और न ही किसी दबाव में आती है।

सिन्हा ने कांग्रेस से पूछा कि क्या उन्हें इस बात की तकलीफ है कि अब उनके संरक्षण में फल-फूल रहा शराब घोटाला उजागर हो रहा है? क्या कांग्रेस अब अपराधियों की ढाल बनकर खड़ी होगी?भाजपा नेता ने प्रशासन से अपील की कि ऐसे अराजक और जनविरोधी प्रदर्शनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता की शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

हरेली से पूर्व बड़गांव में मुनगे के पौधे लगाकर लिया गया सुरक्षा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग जनपद पंचायत की सभापति रेखा कृपाल यादव के नेतृत्व में ग्राम बड़गांव में मुनगा (सहजन) पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरेली पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित इस आयोजन में पालकों को मुनगा पौधा भेंट कर उन्हें पौधों की सुरक्षा का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान खौली सेक्टर की पर्यवेक्षक नीता वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। हरेली पर्व के संदेश को आगे बढ़ाते हुए रेखा यादव ने कहा कि /"हरेली छत्तीसगढ़ का प्रथम पारंपरिक त्योहार है, जो हरियाली और जीवन रक्षा का प्रतीक है। इस दिन पौधा लगाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रखने का एक जिम्मेदार कदम है। मुनगा का पौधा न केवल पोषक तत्वों से भरपूर है बल्कि यह कुपोषण को दूर करने का कारगर उपाय भी है।

पौधा रोपण जीवन की सुरक्षा का पैगाम

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओ से पर्यवेक्षक नीता वर्मा ने कहा आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम केवल पौधा नहीं लगा रहे, हम एक जीवनशैली की शुरुआत कर रहे हैं जिसमें पर्यावरण के साथ-साथ बच्चों का पोषण भी जुड़ा हुआ है। मुनगा का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। हर पालक अपने घर के आसपास इसे रोपित कर बच्चों को कुपोषण से बचा सकते हैं। कार्यक्रम में बच्चों के पालकों को मुनगा के पौधे वितरित किए गए और सभी से अपील की गई कि वे इन पौधों की देखरेख कर उन्हें बड़ा करें। इस अवसर पर ग्राम के जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच किरण सुरेश मल्होत्रा ने पालकों से अपील करते हुए कहा /"हरेली पर्व पर लिया गया संकल्प तभी सार्थक होगा जब हर घर, हर आंगन में हरियाली होगी और हर बच्चा सुपोषित रहेगा। आइए, हम सब मिलकर पर्यावरण और स्वास्थ्य के इस अभियान को सफल बनाएं। कार्यक्रम का समापन हरेली पर्व की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

वाहन चालकों के स्वास्थ्य का परीक्षण सप्ताह में 6 दिन होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा के समीपस्थ अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ में इन दिनों सीमेंट लोडिंग करने हेतु आने वाले वाहन चालकों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है जो कि रविवार छोड़कर सप्ताह के प्रत्येक दिन वाहन चालकों हेतु उपलब्ध है। जिसमें ब्लड प्रेशर ब्लड शुगर जैसी जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जांच के दौरान यदि कोई अस्वस्थ पाये जाते हैं तो अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र द्वारा संचालित हेल्थ सेंटर में उपलब्ध चिकित्सा विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है। व्यस्त दिनचर्या और अव्यवस्थित जीवन शैली में लोग अपने स्वास्थ्य के जांच हेतु समय नहीं दे पाते और बाद में उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए यदि पहले ही पता चल जाए तो शीघ्र उपचार करवाया जा सकता है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है। अल्ट्राटेक सीमेंट सदैव अपने कर्मचारियों की स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उनके सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध रहा है।

राखी स्कूल की मोनिका साहू बनी शालानायक

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी में शाला विकास समिति अध्यक्ष विक्की राज साहू, प्राचार्य सीजे परदेशी शिक्षक शिक्षिकाओ व विद्यार्थियों की मौजूदगी में छात्रसंघ का गठन किया गया। जिनमे मोनिका साहू को शाला नायक चुना गया। छात्र-छात्राओं की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से चयनित मोनिका ने अपनी नेतृत्व क्षमता और सक्रिय सहभागिता से यह सम्मान प्राप्त किया। मनोनीत अन्य पदाधिकारियों में पीयूष टण्डन उपाध्यक्ष, सानिया जांगड़े सचिव, कल्याणी गोस्वामी कोषाध्यक्ष एवं गीतांजलि साहू सांस्कृतिक प्रभारी मनोनीत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला विकास समिति अध्यक्ष विक्की राज साहू ने छात्रसंघ गठन को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। साथ ही संस्था प्रमुख प्राचार्य सीजे परदेशी ने नवगठित छात्रसंघ को विद्यालय की गरिमा बनाए रखने तथा अनुशासन व शैक्षणिक वातावरण सुदृढ़ करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर चयनित सभी छात्र प्रतिनिधियों को बैच प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वटेश्वर महादेव का किया दुग्धाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

श्रावण लगते ही शिवालयों की नगरी आरंग शिवमय हो जाता है। सावन भर नगर के चारों दिशाओं में /"ऊं नमः शिवाय /"का जबर्दस्त जयकारे सुनाई पड़ती है। जगह-जगह शिवालयों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, रूद्राभिषेक होता है। प्रातः से ही शिवालयों में श्रद्धालुओ का तांता लगा रहता है।

वहीं बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के मित्र धाम एवं पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने मिलकर नवातालाब किनारे स्थित वटेश्वर महादेव में दुग्धाभिषेक कराया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं दुग्धाभिषेक पश्चात महाप्रसादी के रूप में हलुआ, पुड़ी, छोले आदि का प्रसाद वितरण किया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महाप्रसादी ग्रहण किया। साथ ही पीपला फाउंडेशन ने लोगों के धार्मिक आस्था से जुड़े शमी के पौधे वितरण किया। वहीं मित्र धाम समिति एवं पीपला वेलफेयर फाउंडेशन की सदस्यगण मिलकर श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरण में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

मां सरस्वती का छात्राओं ने पूजा-अर्चना और प्रस्तुति की

सशिमं के विद्यार्थियों ने ग्रीन डे मनाया और की शिव की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा में शिशु वाटिका के भैया बहनों द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष में ग्रीन डे मनाया गया तथा श्रावण मास को ध्यान में रखते हुए पार्थिव शिवलिंग पूजन किया गया । इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य वासुदेव साहू द्वारा मां भारती, मां सरस्वती एवं ओमकार के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य वासुदेव साहू, शिशु वाटिका की दीदीयो एवं शिशु वाटिका के भैया बहनों के द्वारा कृषि कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों का पूजन किया गया । प्राचार्य वासुदेव साहू ने सभी भैया बहनों को हरियाली पर्व एवं श्रावण मास की बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।तत्पश्चात शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती उर्मिला कश्यप तथा श्रीमती दीपशिखा ताम्रकार में भैया बहनों को हरियाली पर्व की जानकारी देते हुए बताया कि हरियाली पर्व मुख्य रूप से प्रकृति से जुड़ा हुआ पर्व है। श्रावण मास में चारों ओर वातावरण हरा भरा हो जाता है। यह मुख्य रूप से किसानों का पर्व है लेकिन प्रकृति सभी से जुड़ी हुई होती है इसलिए इस पर्व को सभी को हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए । सभी भैया बहनों ने हरियाली पर्व को प्रदर्शित करने वाले हरे रंग के कपड़े पहनकर ग्रीन डे मनाया। इसके पश्चात शिशु वाटिका के भैया बहनों के द्वारा मिट्टी से शिवलिंग बनवाया गया एवं उसका पंचोपचार पूजन करवाया गया ।इस पूजन कार्य में विद्यालय के समस्त दीदी - आचार्य भी सम्मिलित हुए। भैया बहनों के द्वारा इस कार्य को कराने का मुख्य उद्देश्य भैया बहनों को धार्मिक पर्वो की जानकारी देना एवं इन पर्वो को मनाने हेतु प्रेरित करना है ।

कराते चैंपियनशिप में 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया

आरंग। आरंग मार्शल आर्ट क्लब में अयोजित विकासखंड स्तरीय शालेय ताइक्वांडो कराते चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, निसदा सरपंच मानसिंह निषाद, शाला विकास समिति अध्यक्ष निसदा नारायण साहू, पार्षद प्रतिनिधि खिलेश धुरंधर, खोमन साहू, लक्ष्मीनारायण साहू ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में आरंग विकासखंड के सभी स्कूलों से लगभग 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विजेता चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतिगोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश ताइक्वांडो संघ महासचिव संतोष निर्मलकर, आरंग युवा एवं खेल संगठन अध्यक्ष अमन साहू, पूर्व विकासखंड खेल अधिकारी नीलमणि चन्द्राकार, आरंग मार्शल आर्ट क्लब से नटवर निषाद, रानी सगरवंशी, कमल कोशले, अनीता साहू, संयोजन सचिव, व्यायाम शिक्षक ओम प्रकाश केवट सहित सभी व्यायाम शिक्षक शिक्षिका, खिलाड़ी और सदस्य उपस्थित थे।

हरेली के लिए सजा सीएम हाउस, गेड़ी नृत्य, राउत नाचा, सावन झूले की रहेगी धूम

मुख्यमंत्री निवास में आज हरेली तिहार, विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा और कृषि परंपरा से जुड़ा प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार इस वर्ष 24 जुलाई को मुख्यमंत्री निवास में पारंपरिक और उल्लासपूर्ण रूप से मनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष आयोजन में लोकजीवन की विविध रंग, सांस्कृतिक विरासत और किसानों के प्रति सम्मान का भाव सजीव रूप में प्रकट होगा। हरेली त्यौहार के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री निवास परिसर को छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति के रंगों से सजाया गया है। पारंपरिक तोरण, हरियाली से सजे द्वार और ग्रामीण शिल्प कला से समृद्ध इस वातावरण में हरेली की वास्तविक आत्मा को अनुभव किया जा सकेगा। आयोजन में छत्तीसगढ़ के विविध अंचलों से आए लोक कलाकारों द्वारा गेड़ी नृत्य, राउत नाचा आदि लोकनृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। सावन की फुहारों के बीच सावन झूला और सवनाही रामायण पाठ दर्शकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। यह कार्यक्रम ना केवल एक सांस्कृतिक आयोजन होगा, बल्कि यह प्रदेश की लोकभावना और पारंपरिक धरोहर का जीवंत उत्सव भी होगा।

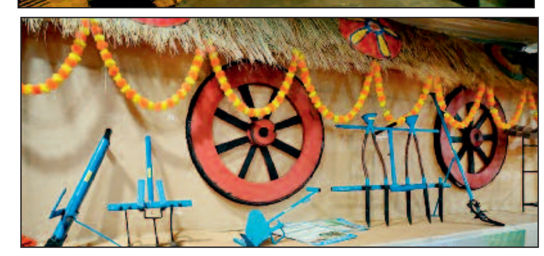

साय करेंगे कृषि यंत्रों की पूजा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस आयोजन में शामिल होकर कृषि यंत्रों एवं औजारों की पूजा करेंगे, जो हरेली पर्व की मुख्य परंपरा रही है। पारंपरिक से लेकर आधुनिक यंत्रों की एक विस्तृत प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की कृषि परंपराओं और यांत्रिकी प्रगति से परिचय मिलेगा।

सीएम ने दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हरेली पर्व केवल खेती और हरियाली का नहीं, बल्कि हमारे लोकजीवन, परंपरा और प्रकृति के साथ सह अस्तित्व का उत्सव है। हमारी सरकार इस सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

खबर संक्षेप

एम्स में प्रौद्योगिकी-आधारित हेल्थकेयर मास्टरक्लास

रायपुर। दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन और आईआईटी इंदौर की टीम ने एम्स में दो दिनी दौरा किया। टीम को रेडियोलॉजी विभाग, प्रयोगशालाओं और ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग सहित प्रमुख क्लीनिकल क्षेत्रों का एक अवलोकन कराया गया। इस व्यावहारिक भ्रमण से अस्पताल की वर्तमान कार्य प्रणाली और संचालन में आने वाली चुनौतियों की गहराई से समझ मिली। इसके पश्चात, एआईआईएमएस रायपुर की सेवाओं में नेशनल मिशन ऑफ इंटरडिस्पलनरी सायबर-फिजिकल सिस्टम के एकीकरण पर एक संयुक्त चर्चा आयोजित की गई। इस दौरान "हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजी हस्तक्षेप विषय पर आयोजित चर्चा में संकाय सदस्यों, नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकारी निदेशक एम्स अशोक जिंदल ने संबोधन किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने की सीजीएमएससी की समीक्षा

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के उपक्रम सीजीएमएससीएल की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के और सचिव स्वास्थ्य सेवाएं अमित कटारिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में प्रबंध संचालक पद्मिनी भोई ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सीजीएमएससी की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि राज्य की जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। इस दौरान उन्होंने पारदर्शिता दिखाने के उद्देश्य से सीजीएमएससी की नई वेबसाइट को रिमोट का बटन दबाकर लॉन्च किया। उन्होंने निर्देशित किया कि जहां भी कोई बाधा हो, उसे शीघ्र दूर किया जाए। मंत्री ने कहा कि ब्रांडेड और गुणवत्ता वाली दवाइयों की खरीदी की जाए तथा दवाइयों की आपूर्ति सुचारु और समयबद्ध हो।

फंड अटका तो ठेकेदारों ने भी अधूरा छोड़ा काम

टेंडर निकाले बगैर दे दिया जल जीवन मिशन योजना का ठेका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन योजना के तहत किए गए कार्य सैकड़ों ग्रामों में अभी तक अधूरे पड़े हुए हैं, जिसके कारण इन ग्रामों में रहने वाले लोगों को अभी तक इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अभी तक अधूरे कार्यों को लेकर लापरवाही का ठीकरा ठेकेदारों पर फोड़ा जा रहा है। इसे लेकर कई गांव के सरपंच कई ठेकेदारों के विरुद्ध विभाग से लेकर जिला पंचायत एवं कलेक्टोरेट में शिकायत भी कर चुके हैं। इसके बाद भी आखिर क्या कारण है कि इन ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो रही है। इसकी पड़ताल पर पता चला कि जिन ठेकेदारों ने कार्य अधूरे छोड़े हैं, उनमें ज्यादातर का फंड विभाग से अटका हुआ है। फंड नहीं मिलने के कारण ठेकेदार कार्य पूर्ण नहीं करा रहे हैं। पड़ताल में यह भी पता चला कि जिन ठेकेदारों को योजना के तहत कार्य करने ठेका दिया है, वह भी बगैर टेंडर निकाले दिया है। ऐसे में विभाग के अधिकारी भी ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

केस 1

धरसींवा विकासखंड अंतर्गत ग्राम तुलसी में इस योजना के तहत कार्य किए गए हैं, लेकिन यहां कुछ कार्य अभी भी अधूरे हैं। इस गांव में उत्तम टंडन नामक व्यक्ति को इसका ठेका दिया गया था। ठेकेदार का कहना है कि विभाग ने बगैर टेंडर निकाले उसे ठेका दिया था। विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बदली तो उसका फंड रोक दिया गया है। इस कारण वह अधूरे कार्य को पूरा भी नहीं कर पा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में उसने जिला पंचायत और कलेक्टर से शिकायत भी की है, लेकिन अभी तक शिकायत का निराकरण नहीं हो पाया है।

केस 2

ग्राम पंचायत नकटी में भी ठेकेदार ने पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने से लेकर कनेक्शन देने का काम पूरा किया है, लेकिन किसी भी कनेक्शन में वाल्व नहीं लगाया है। इस कारण से गांव के किसी भी घर में पानी नहीं आ रहा है। यह स्थिति पिछले करीब डेढ़ साल है। इस गांव के सरपंच बिहारी यादव बताया कि विभाग ने ठेकेदार को एनओसी जारी कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने जिला पंचायत एवं कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत भी की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मेरे क्षेत्र के 80 प्रतिशत गांवों में कार्य अधूरे

अभनपुर क्षेत्र के 80 प्रतिशत गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड तक नहीं किया जा रहा है। सामान्य सभा में मुद्दा भी उठाया था, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

- यशवंत साहू, सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

बच रहे अफसर कार्रवाई करने से

कई ठेकेदारों को बगैर टेंडर निकाले काम दिया गया था। फंड जारी नहीं होने से ठेकेदारों ने काम करना बंद कर दिया, इसलिए अधूरे पड़े हुए हैं, इसलिए अधिकारी भी कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

- वतन चंद्राकर सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

सामान्य सभा में गलत जानकारी देने पर घिर चुके हैं विभाग के अधिकारी

माहभर पहले जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामों में हुए कार्यों की रिपोर्ट पीएचई विभाग के अधिकारी अनिल बच्चन ने पेश की थी। इस रिपोर्ट में अधिकारी ने दावा किया था कि इस योजना के तहत जिले में कुल 477 ग्रामों में से 294 ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन पानी की सप्लाई शत प्रतिशत घरों में शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने रिपोर्ट में यह भी बताया था कि 81 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है तथा 9 ग्राम में कार्य प्रारंभ नहीं हो पाए हैं। जिला पंचायत के सदस्यों ने इस रिपोर्ट को फर्जी बताया था। सदस्यों ने कहा था कि 294 ग्रामों में से 100 से ज्यादा गांव में कार्य अधूरे हैं। इसके बाद भी इन गांव में कार्य करने वाले ठेकेदारों को विभाग ने एनओसी जारी कर दी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही के कारण अभी तक जिन गांव में कार्य पूर्ण हो चुका है, उन गांवों में भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके लिए ठेकेदार जिम्मेदार है।

प्रोफेसर विरेन्द्र कुमार मुक्त विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रोफेसर विरेन्द्र कुमार सारस्वत को पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विवि बिलासपुर का कुलपति नियुक्त किया गया है। राजभवन द्वारा नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया है। वर्तमान में डॉ. सारस्वत आगरा के डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि में कंप्यूटर साइंस प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। प्रो. सारस्वत ने हरिभूमि से विशेष चर्चा करते हुए कहा है कि वे अभी आगरा यूनिवर्सिटी से रिलीव नहीं हुए हैं। वहां से रिलीव होने के बाद जल्द ही यहां आकर पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति पद पर ज्वाइन करेंगे।

प्रो. सारस्वत को 30 वर्षो का अध्यापन अनुभव है। उनका जन्म 5 जुलाई 1967 को हुआ था। आगरा यूनिवर्सिटी से पूर्व वे यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूट में डायरेक्टर के पद पर कार्य कर चुके हैं। वे डायरेक्टर यूनिवर्सिटी इक्वेशन सेंटर रह चुके हैं तथा ऑल इंडिया बोर्ड ऑफ इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी एजूकेशन के तीन साल तक चेयरमैन रह चुके हैं।

आदेश जारी

ओपन यूनिवर्सिटी के नए कुलपति की नियुक्ति आदेश आज राजभवन से जारी हो गया है। नए कुलपति कब पदभार ग्रहण करेंगे यह अभी तय नहीं हुआ है, किन्तु वे जल्द ही वहां से रिलीव होकर यहां आएंगे।

- भुवन सिंह राज, रजिस्ट्रार, ओपन यूनिवर्सिटी

मिले थे 76 आवेदन, 10 ने दिया था इंटरव्यू

पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के नए कुलपति चयन के लिए 28 जून को राजभवन रायपुर में साक्षात्कार हुआ था। साक्षात्कार के लिए 11 उम्मीदवारों को बुलाया गया था, किन्तु एक उम्मीदवार अनुपस्थित रहा और 10 उम्मीदवारों का साक्षात्कार में शामिल हुए थे। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद कुलपति चयन समिति द्वारा पांच उम्मीदवारों के नामों का बंद लिफाफा गोपनीय तरीके राज्य सरकार को भेजा जाएगा था और राज्य सरकार की ओर से उनमें से तीन नामों का पैनल राजभवन को भेजा गया। उन्हीं तीन नामों में से राज्यपाल रमेन डेका द्वारा प्रो. वीके सारस्वत के नाम पर मुहर लगाई गई है। गौरतलब है कि ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति पद के लिए 76 आवेदन मिले थे। कुलपति चयन के लिए मई माह में विज्ञापन जारी किया गया था।

ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली, हजारों मामले लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूचना आयोग में ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। केवल एक सूचना आयुक्त से ही आयोग संचालित हो रहा है। 40 हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं और सुनवाई लगभग ठप हो चुकी है। नवंबर 2022 में तत्कालीन मुख्य सूचना आयुक्त एमके राउत के रिटायरमेंट के बाद से अब तक इस महत्वपूर्ण पद पर कोई नियुक्ति नहीं हुई। दिसंबर 2024 में सरकार बदलने के बाद दो सूचना आयुक्त रिटायर्ड आईएएस एनके शुक्ला और आलोक चंद्रवंशी की नियुक्ति की गई, लेकिन उम्र संबंधी कारणों से शुक्ला जल्द रिटायर हो गए और अब आलोक चंद्रवंशी अकेले सूचना आयोग की पूरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आयोग में तीन सूचना आयुक्तों के पद हैं और चार कोर्ट बनाये गए हैं। सिर्फ एक ही कोर्ट संचालित हो पा रहा है। यदि आलोक चंद्रवंशी अवकाश पर जाते हैं, तो पूरी सुनवाई प्रक्रिया ठप हो जाती है। बताया जाता है कि आयोग में लंबित मामलों की संख्या 40,000 पार कर चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन मामलों को निपटाने में कम से कम 10 सूचना आयुक्तों को भी सालभर लग जाएगा।

नियुक्ति प्रक्रिया पर कोर्ट की रोक

मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए दावेदारों के इंटरव्यू का काम पूरा हो चुका है, और कमेटी ने इंटरव्यू के बाद नाम की अनुशंसा राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप दी है, लेकिन हाईकोर्ट से स्टे होने के कारण इस पद पर नियुक्ति अभी अटकी है। वहीं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू हो चुका है और पैनल भी तैयार है, लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर हाई कोर्ट में याचिका लंबित है। 25 साल के अनुभव की शर्त को लेकर विवाद के चलते बिलासपुर हाई कोर्ट में सुनवाई रुकी हुई है। सामान्य प्रशासन विभाग दो महीने से सुनवाई की तारीख का इंतजार कर रहा है।

जनसूचना अधिकारियों की मनमानी

आयोग की निष्क्रियता का सीधा असर जनसूचना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर पड़ा है। जुर्माने और जवाबदेही के डर के बिना अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। कई विभागों में सूचना देने से इनकार करने या टालने की प्रवृत्ति बढ़ी है, क्योंकि आयोग से उन्हें किसी कार्रवाई का डर नहीं है।

184 नगरीय निकायों में होगा एनर्जी ऑडिट, बिजली खपत घटने और सोलर प्लांट लगाने से बचेंगे हजार करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सभी 184 नगरीय निकायों में एनर्जी बिल आडिट किया जाएगा। यह काम नागपुर की एक फर्म को दिया गया है। बताया गया है कि ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी। विद्युत खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने से लंबी अवधि में लगभग 800 करोड़ रुपए से एक हजार करोड़ रुपए की बचत होगी।

इस संबंध में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि एनर्जी बिल आडिट कार्य के लिए तय कंसलटेंट द्वारा निकायों में स्थापित विद्युत मीटरों का जीआईएस प्लेट फार्म पर सर्वे कर डाटा एकत्रित किया जाना है। इसके लिए निकायों की वार्ड बाउंड्री की केएमजेड फाइल तथा विद्युत मीटर की जानकारी 25 जुलाई तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

हजारों बिजली मीटरों के बिल की होगी जांच

शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइटिंग जैसी विभिन्न जन सुविधाओं के संचालन के लिए नगरीय निकायों मे बड़ी संख्या में विद्युत कनेक्शन लिए गए हैं। विद्युत विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 184 नगरीय निकायों में इसके लिए हजारों की संख्या में बिजली के मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों के माध्यम से हर महीने मीटर रीडिंग कर बिजली विभाग द्वारा बिजली का बिल निकायों को भेजा किया जाता है। निकायों द्वारा प्रति माह एक बड़ी राशि विद्युत देयकों के रूप में व्यय की जाती है। कई बार सरचार्ज और एरियर्स के रूप में भी बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान निकायों और नगरीय प्रशासन विभाग को करना पड़ता है। विभाग द्वारा नगरीय निकायों में बिजली बिल के समायोजन के लिए बिजली विभाग को हर साल लगभग 100 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की जाती है। वर्तमान में करीब 800 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित होने के कारण सरचार्ज की राशि में लगातार वृद्धि हो रही है।

एनर्जी आडिट से होगा ये फायदा

अधिकांश निकायों में सरचार्ज और एरियर्स मद में राशि के अभाव के कारण समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया जाता है। इससे नगरीय निकायों और विभाग को हर वर्ष अनावश्यक ही सरचार्ज व एरियर्स की राशि के रूप में बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ता है। ऊर्जा और बिजली बिल के ऑडिट से इनकी बचत के उपाय करने में सहूलियत होगी।

खपत का होगा सही मूल्यांकन

नगरीय निकायों के बिजली बिलों के ऑडिट तथा एनर्जी ऑडिट से प्रत्येक निकाय के बिजली बिल के ऑडिट से वास्तविक विद्युत खपत और अनावश्यक रूप से सरचार्ज हेतु किए जा रहे भुगतान का स्पष्ट आंकलन किया जा सकेगा। ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी। ऊर्जा प्रबंधन में सौर उर्जा को शामिल करने एवं ताप ऊर्जा के उपयोग में कमी से पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा भी मिलेगा।

नैनो डीएपी से किसानों को प्रति एकड़ 75 रुपए का लाभ

3 लाख से अधिक नैनो डीएपी की बोतलों का भंडारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चालू खरीफ मौसम में खेती-किसानी के लिए ठोस डीएपी खाद की संभावित कमी की पूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा वैकल्पिक खादों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में तरल नैनो डीएपी एक प्रभावशाली विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके प्रयोग से किसानों को प्रति एकड़ धान की फसल में लगभग 75 रुपए का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।

राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में इफको कंपनी द्वारा अब तक 3 लाख 5 हजार से अधिक नैनो डीएपी का भंडारण सुनिश्चित किया गया है। इनमें से 82 हजार 470 बोतलें डबल लॉक केंद्रों में, 1 लाख 41 हजार 389 बोतलें प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों में तथा 48 हजार बोतलें निजी क्षेत्र में भंडारित हैं। वर्तमान में इफको कंपनी के पास 33 हजार से अधिक नैनो डीएपी की बोतलें शेष उपलब्ध हैं। आधा लीटर की एक नैनो डीएपी बोतल सहकारी समितियों में किसानों के लिए 600 रुपए की दर पर उपलब्ध कराई जा रही है।

खेतों में डेमो देकर किसानों को सिखाया गया नैनो डीएपी का वैज्ञानिक प्रयोग

प्रति एकड़ 75 रुपए की बचत

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, धान की एक एकड़ फसल के लिए आवश्यक 50 किलोग्राम ठोस डीएपी खाद के स्थान पर केवल 25 किलोग्राम ठोस डीएपी तथा एक आधा लीटर नैनो डीएपी की बोतल पर्याप्त होती है। एक बोरी (50 किलो) ठोस डीएपी की कीमत 1,350 रुपए है, जिसकी तुलना में नैनो डीएपी के प्रयोग से प्रति एकड़ 75 रुपए की बचत होती है। यह संयोजन पोषण की दृष्टि से एक बोरी ठोस डीएपी के समतुल्य होता है।

किसानों को दिया गया डेमो

नैनो डीएपी के उपयोग हेतु किसानों को जागरूक किया गया है। उन्हें डेमो देकर इसकी विधि भी सिखाई गई है। राज्य सरकार ने समय रहते ठोस डीएपी की कमी की आशंका को भांपते हुए नैनो डीएपी के उपयोग को लेकर किसानों के बीच एक सघन जागरूकता अभियान चलाया। कृषि विभाग के मैदानी अमले, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों की सहायता से खेतों में ठोस डीएपी के साथ नैनो डीएपी के संयुक्त प्रयोग की विधियां किसानों को समझाई गईं।

गांव-गांव जाकर दी जा रही जानकारी

गांव-गांव जाकर आयोजित कृषि चौपालों एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों को डेमो दिखाए गए और विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही, नैनो डीएपी से संबंधित पंपलेट, बैनर और पोस्टर सहकारी समितियों में प्रदर्शित किए गए हैं। कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारी लगातार खेतों का भ्रमण कर रहे हैं और किसानों को नैनो डीएपी के प्रयोग और इसके लाभों की जानकारी दे रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप किसान पूरे विश्वास के साथ अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी का उपयोग कर रहे हैं।

महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता ने किया नई महिला टीम का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता ने महिला चैंबर के मजबूती और व्यापार एवं उद्योग में महिलाओं की भागीदारी को और सशक्त बनाने के मकसद से एक नई महिला टीम का गठन किया है। इस नई टीम में मीनाक्षी टूटेजा संरक्षक, मनीषा तारवानी को महामंत्री और स्वप्निल मिश्रा को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी दी गयी है। नई टीम में विभिन्न महिला सदस्यों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जो चैंबर के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। डॉ. ईला गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, यह नई टीम महिला चैंबर के कार्यों को गति देने और महिला उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई टीम का गठन महिला चेंबर की गतिविधियों को विस्तार देने, नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने और महिला सदस्यों के बीच सहयोग व नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर देश के हर कार्य में आगे आ रही है और चैंबर में उनका स्वागत है। इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, मंत्री राजेन्द्र पारख, महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, मनीषा तारवानी, नम्रता अग्रवाल, मनीषा सिंह, मंजूषा परियल, इंदिरा जैन, सुनीता पाठक, अंजली देशपांडे, रीना जोतवानी, गीतू राठौड़, नीतू नानवानी, शीलम झूनझूनवाला, रश्मि वाधवा, सुमन मुथा, गायत्री केशरवानी, स्वपनिल मिश्रा, ऐश्वर्या तिवारी, सोमा घोष, सविता गुप्ता, डॉ. शिल्पा दुबे, स्वाति सोनी, हर्षिता शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

- संरक्षक- मीनाक्षी टूटेजा, महामंत्री- मनीषा तारवानी, स्वप्निल मिश्रा को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी

सुबह-सुबह स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे डीके और आंबेडकर अस्पताल, मरीजों से पूछी व्यवस्था

विभिन्न वार्डों का किया दौरा, स्टाफ को दी गंभीरता की नसीहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मरीजों को दी जाने वाली उपचार व्यवस्था की वास्तविक जानकारी लेने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सुबह-सुबह डीके और आंबेडकर अस्पताल पहुंच गए। विभिन्न वार्डों का दौरा कर उन्होंने भर्ती मरीजों से मिलने वाली चिकित्सा सुविधा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से जानकारी लेने के बाद चिकित्सकीय स्टाफ को मरीजों के इलाज के लिए संवेदनशील रहने के साथ गंभीरता बरतने की नसीहत दी।

सुबह सात बजे स्वास्थ्य मंत्री डीके अस्पताल पहुंचे उस दौरान वहां नाइट ड्यूटी वाले डाक्टर एवं अन्य स्टाफ मौजूद थे। वे मंत्री को अचानक अस्पताल में देखकर सकते में आ गए। उन्होंने इमरजेंसी विभाग में मौजूद रजिस्टर की जानकारी ली, जिसके बाद उन्होंने बर्न यूनिट, न्यूरो और नेफ्रोलॉजी वार्डों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भर्ती बच्चों सहित अन्य लोगों से अस्पताल की व्यवस्था के बारे में पूछा। उन्होंने पिछले दौरे के दौरान बंद एसी को सुधरवाने के निर्देश दिए थे, जिसके बारे में भी उन्होंने जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, दवा वितरण, चिकित्सकीय जांच, ऑपरेशन थियेटर, वार्ड व्यवस्था जैसी सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों से संवाद कर मरीजों की देखभाल में और अधिक संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। डीके अस्पताल में घंटेभर बिताने के बाद वे आंबेडकर अस्पताल पहुंचे और कुछ वार्डों का दौरा किया। यहां भी काफी देर तक मरीजों से मेल मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अस्पतालों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मचारियों को मरीजों के हित में समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए।

खास बातें

- इमरजेंसी विभाग में मौजूद रजिस्टर की जानकारी ली
- अस्पतालों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

बूढ़ापारा से श्याम टाकीज रोड लबालब, घुटना भर गंदा पानी डगनिया मोड़ में नालियां ओवर फ्लो, आमापारा पानी-पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में बुधवार को दूसरे दिन भी झमाझम बारिश से शहर के कई प्रमुख इलाकों, निचली बस्तियों और पॉश कालोनियों में नालियों का बदबूदार गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क से गलियों तक पूरे वेग के साथ बहा। बूढ़ापारा के दुर्गा मंदिर से श्याम टाकीज वाली रोड लबालब होने से राहगीरों, दुकानदारों और दोपहिया, तिपहिया चालकों को खासी परेशानी हुई। घुटना भर गंदा पानी से होकर रास्ता पार करने में लोगों को काफी परेशानी हुई। एक तरफ की पूरी सड़क लबालब भरने से वन वे की स्थिति बनी। बड़ी मुश्किल से लोग अपने वाहन किसी तरह निकालते नजर आए। वहीं कुछ दोपहिया चालक के वाहन बीच रास्ते में ही इंजन में पानी भरने से बंद हो गये, जिसे खींचते हुए घुटना भर गंदा पानी से ले जाने मशक्कत करनी पड़ी। यही स्थिति काशी हॉटल डगनिया मोड़ वाली सड़क पर देखने को मिली। आसपास के दुकानदार अपनी दुकान के बाहर निकलकर जलभराव के लिए निगम को कोसते नजर आए।

- शहर में दोपहर को झमाझम बारिश, गलियां, सड़क लबालब, नालियां ओवरफ्लो

रायपुर नगर निगम द्वारा शहर के नाले-नालियों की तले तक सफाई कराने के दावे की आज पोल खुल गयी। बुधवार दोपहर झमाझम बारिश 12.45 से शुरू हुई जो 2 बजे तक चलती रही। इस दौरान शहर के कई हिस्सों में जलभराव से लोग परेशान रहे। शंकरनगर, समता कालोनी, चौबे कालोनी में जलभराव से आवागमन बाधित रहा। समता कालोनी मुख्य मार्ग पर नाले का गंदा पानी सड़क से होकर लोगों के घरों तक घुसने से लोग परेशान रहे।

संग्रहालय के सामने लबालब आक्सीजोन के सामने तालाब सा नजारा

राजधानी के सिविल लाइन इलाके में काली माता चौक से लेकर संस्कृति विभाग के संग्रहालय वाली सड़क लबालब भरने से आटो रिक्शा वाले बड़ी मुश्किल से अपने गंतव्य तक पहुंचे। सबसे ज्यादा दिक्कत साइकिल चालक, दोपहिया वाहन चालक और पैदल चलने वालों को हुई। पानी इतना ज्यादा भर गया था कि दोपहिया चालक सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर आगे बढ़ने की हिम्मत जुटा नहीं पा रहे थे। कुछ लोग तेज रफ्तार से अपनी दोपहिया को निकालने की हड़बड़ी में दिखे। कलेक्टोरेट के पास आक्सीजोन के सामने वाली सड़क पर लबालब पानी भरने से इस मार्ग में आने-जाने वालों को खासी परेशानी हुई। एक छोर से दूसरे छोर तक पानी भरने से सड़क यातायात प्रभावित हुआ।

डगनिया मोड़ से अश्विनी नगर तक लबालब : दोपहर को तेज बारिश होने से डगनिया मोड़ से अश्विनी नगर तक सड़क के एक ओर नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर गंदगी के साथ सड़क पर बहता रहा। घुटना भर गंदा पानी से होकर लोग मुश्किल से दोपहिया, तिपहिया की सवारी कर गंतव्य तक पहुंचे। इस दौरान जाम की स्थिति भी देखने को मिली। दुकानों के सामने पानी भरने से दुकानदार परेशान रहे। गंदे पानी के छींटे से भी कुछ लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं चाय टपरी, पान दुकान, हॉटल वालों की ग्राहकी ठप रही।

शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त क्लर्क को सीबीआई का भय दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर 14 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुरानी बस्ती थाने में शिक्षा विभाग के एक सेवानिवृत्त क्लर्क ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ सीबीआई अफसर होने का झांसा देकर डिजिटल अरेस्ट कर 14 लाख ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गिरफ्तारी के भय से बुजुर्ग ने जालसाज के बताए अलग-अलग अकाउंट में रकम जमा कराई। जालसाज ने बुजुर्ग को झांसे में लेने के लिए फर्जी एफआईआर नंबर भेजने के साथ किसी नरेश गोयल का एटीएम कार्ड भेज कर ठगी का शिकार बनाया।

- जालसाज ने बयान दर्ज कराने आने का झांसा दिया, नहीं आने पर गिरफ्तार कर ले जाने की धमकी दी

पुरानी बस्ती, शीतला मंदिर निवासी रामेश्वर प्रसाद देवांगन ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। रामेश्वर ने पुलिस को बताया है कि उसके पास 14 जुलाई को अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव नहीं करने पर जालसाज ने उसे उसके दूसरे नंबर पर कॉल किया। कॉल रिसीव करने पर जालसाज ने रामेश्वर को कहा कि वह टेलिफोन डिपार्टमेंट से बोल रहा है, उसका मोबाइल जांच के लिए कुछ समय के लिए बंद किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए 0 य 9 दबाने के लिए कहा। बताया गया नंबर पुश करने पर जालसाज ने रामेश्वर को उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने का झांसा देते हुए एक फर्जी एफआईआर नंबर की जानकारी दी।

ऑनलाइन बयान दर्ज कराने का झांसा देकर की ठगी

जालसाजों ने रामेश्वर को उसके सीनियर सिटीजन होने की बात कहते हुए उन्हें ऑनलाइन बयान दर्ज कराने की छूट देने का झांसा दिया। इसके लिए उसे ऑनलाइन एक रिक्वेस्ट पत्र भेजने कहा। जालसाजों के कहने पर रामेश्वर ने ऑनलाइन रिक्वेस्ट पत्र भेजा। इस दौरान जालसाज रामेश्वर से लगातार वीडियो कॉल से बात कर रहे थे। दूसरे दिन जालसाजों ने रामेश्वर को अपने अकाउंट में पैसे जमा करने कहा। 15 से 16 जुलाई के बीच रामेश्वर को जालसाजों के बताए अलग-अलग 14 अकाउंट में पैसे जमा कराकर ठगी का शिकार बनाया।

वाट्सएप में पत्र, फोटो भेज कर पहचानने के लिए कहा

सेवानिवृत्त क्लर्क को झांसे में लेने के बाद जालसाज ने रामेश्वर के मोबाइल में एक पत्र तथा फोटो भेज कर नरेश गोयल का होना बताते हुए पहचानने के लिए कहा। जानकारी नहीं होने की बात कहने पर जालसाज ने रामेश्वर को कैनरा बैंक का एटीएम कार्ड तथा एटीएम भेज कर कहा कि नरेश गोयल के घर में छापा के दौरान मिला है, जिसकी जांच होने का झांसा दिया। इसके लिए रामेश्वर को बयान दर्ज कराने आने के लिए कहा। रामेश्वर को कहां बयान दर्ज कराने के लिए आना है, इसकी जानकारी जालसाजों ने उसे नहीं दी। बयान दर्ज कराने नहीं आने पर जालसाजों ने रामेश्वर को अरेस्ट करने की धमकी दी। धमकी से रामेश्वर बुरी तरह से डर गया।

पेज 13 के शेष ...

दो महीने माथापच्ची ....

पुराने वर्षों की किताबें हैं तो पहली से तीसरी कक्षा तथा छठवीं कक्षा को छोड़कर अन्य कक्षाओं की किताबें पुनः प्रयोग में लाई जा सकेंगी। इन कक्षाओं की किताबों में बदलाव हुआ है, इसलिए नवीन पुस्तकों का प्रयोग करने कहा गया है। वितरित की जाने वाली प्रत्येक किताब की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में देनी होगी। गौरतलब है कि पिछले सत्र में थोक में कबाड़ी में किताबें पाए जाने के बाद इनकी स्कैनिंग और ट्रैकिंग की व्यवस्था वर्तमान सत्र से की गई थी।

दो किशोर एनिकट ....

खाना खाने के बाद आशीष तथा यशपाल नहाने के लिए एनिकट में उतरे। पानी के तेज बहाव के कारण दोनों खुद को संभाल नहीं पाए और पानी के तेज बहाव में बहते चले गए।

चपरासी से बाबू ....

मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण एवं मान्यता प्राप्त संस्थान अथवा छग शीघ्रलेखन, मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से कम्प्यूटर एवं साफ्टवेयर के माध्यम से हिन्दी या अंग्रेजी मुद्रलेखन में 55000 डिप्रेशन प्रति घंटे गति का प्रमाण पत्र होना चाहिए। साथ ही किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस या सूचना प्रोद्योगिकी के समकक्ष उपाधि की शर्त जोड़ दी गई है।

टिकरापारा में मूसलाधार ...

बजे से शुरू हुई बारिश करीब दो बजे तक जोरदार ढंग से कई इलाकों में होती रही। आज भी खंड वर्षा का प्रभाव रहा और शहर के मध्य इलाके को छोड़कर कुछ क्षेत्रों में इसका हल्का से मध्यम असर रहा। वहीं कई हिस्से में केवल बादल ही छाए रहे। बारिश प्रभावित इलाकों में मुख्य मार्गों से लेकर गली-मोहल्ले में पानी भर गया। वर्षा जैसे ही थमी वैसे ही धूप निकल गई और शाम होने के बाद फिर बूंदाबांदी होती रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले दो से तीन दिन तक इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है। वर्तमान में बादल अस्थायित्व लिए हुए हैं और जहां वे एकत्रित हो रहे हैं, वहीं बरस रहे हैं।

रेलवे स्टेशन पर ....

सवारी की आस में स्टेशन भवन के भीतर तक घुस जाने की शिकायत भी रही थी। इसी तरह ट्रेनों में घुसकर यात्रियों से बख्शीश मांगने और इनकार करने पर अपमानित करने वाले किन्नरों पर भी कार्रवाई की। इसी तरह रेल प्रशासन की अनुमति के बिना स्टेशन के भीतर सामान की बिक्री करने वाले वेंडरों को पकड़ा गया। रेलवे स्टेशन में काफी संख्या में बिना किसी ठोस कारण के घूमने वालों संदिग्ध गतिविधि वालों को भी हिरासत में लिया गया। इस दौरान कुल 48 व्यक्तियों को जिसमें 30 ऑटो चालक, किन्नर, अवैध वेंडर,अनाधिकृत घूमने वाले व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं 145(**b**), 144, 147, 159 का उल्लंघन करते पाए जाने पर उनके विरुद्ध विधिवत कार्यवाही की गई। अभियान प्रभारी निरीक्षक कर्मपाल सिंह गुर्जर, प्रभारी निरीक्षक अपराध गुप्तचर शाखा निशा भोईर, प्रभारी, मंडल टास्क टीम एनके यादव के नेतृत्व में स्टेशन यार्ड एरिया, वेटिंग हॉल, पार्सल ऑफिस, सर्कुलेटिंग एरिया, अप - डाउन ट्रेन एवं नो पार्किंग एरिया में चलाया गया।

:: आम सूचना ::

मौजा- रावांभाठा, प.ह.नं.- 100/28, रा.नि.मं. धरसींवा, तहसील धरसींवा, स्थित परिवर्तित भूमि जिसका ख.नं.- 309/1, 309/2, 309/5 रकबा क्रमशः- 0.1710, 0.0530, 0.1430 हे. के संबंध में।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार अमन अग्रवाल पिता श्री बिजय कुमार अग्रवाल निवासी-काटाबांजी, जिला बलंगीर (उड़िसा) ने विक्रेतागण/भूमिस्वामीगण नीलकंठ वायर द्वारा पार्टनर मनसुख लाल पटेल, पिता श्री वेलजी भाई पटेल, निवासी- इंद्रिरा टिम्बर मार्केट भनपुरी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) व तुलसी भाई पटेल पिता श्री अर्जन भाई पटेल निवासी न्यू टिम्बर मार्केट, फाफाडीह, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. से उनके आधिपत्य एवं स्वामित्व की परिवर्तित भूमि जो कि, वाके मौजा रावांभाठा, प.ह.नं.- 100/28, रा.नि.मं.- धरसींवा, तहसील धरसींवा, स्थित जिसका ख.नं.- 309/1, 309/2, 309/5 रकबा क्रमशः- 0.1710, 0.0530, 0.1430 हे. को क्रय करने का सौदा कर अग्रिम बयाना राशि प्रदान कर दिया गया है। केवल बैनामा निष्पादन एवं पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, साहूकार, शासकीय अथवा गैर शासकीय निकाय, निगम, पारिवारिक सदस्य एवं अन्य को कोई दावा या आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन दिनांक से 10 दिनों के भीतर मय दस्तावेज के लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेंवे, केवल आम सूचना का खण्डन मान्य नही होगा। म्याद बाद की गयी दावा या आपत्ति इस आम सूचना के समक्ष अवैध व शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी, एवं मेरा पक्षकार अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन कराने के लिये स्वतंत्र होगा। सो सूचना जाने ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक - 22.07.2025

भवदीय
लखन लाल देवांगन
(अधिवक्ता)
निवास-आशादीप स्कूल के पास, न्यू चंगोराभाठा
रायपुर (छ.ग.) मो.नं.-9926179614

रजिस्ट्री पेपर गुमा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे फ्लैट, जो कि रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड क्र. 51 टिकरापारा प.ह.न. 114/45 रा.नि.म. रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित प्रियदर्शनी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. योजनांतर्गत परिवर्तित भूमि ख.न. 361/1 के भाग पर निर्मित बहुमंजिला भवन रोहिणी विला के प्रथम तल पर स्थित फ्लैट नं. 104 का ओरिजनल रजिस्ट्री पेपर कहीं गुम हो गया है। जिसकी सूचना मैंने दिनांक 12/07/2025 को खम्हारडीह थाना में दी थी। जिस किसी भी सज्जन को उक्त रजिस्ट्री पेपर मिलता है तो कृपया निम्न पते पर देने का कष्ट करें।

धन्यवाद
डॉ. सुष्मिता दीक्षित
A-1 श्रीराम नगर फेस-2
शंकर नगर रायपुर
मो. 9300931587

:: आम सूचना ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण व आम आदमी को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण श्री गोपाल बहेती पिता श्री कैलाश बहेती व श्रीमती शोभा बहेती पति - श्री कैलाश बहेती, दोनों के निवासीय पता कल्याण गैस गोदाम, मोवा, तहसील व जिला- रायपुर, छ.ग के हक, अधिपत्य व स्वामित्व की परिवर्तित भूमि, जो कि वाके मौजा ग्राम - बरौदा, (सफायर ग्रीन विधान सभा) प.ह.न. 00023, रा.नि.मं.: रायपुर-16- सारागॉव, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर, छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 15009/30, रकबा- 0.0223 हेक्टेयर (2400 वर्गफुट), भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना की राशि प्रदान कर करार नामा निष्पादित किया जा चुका है, व बकाया प्रतिफल अदायगी उपरांत बैनामा पंजीयन कराया जाना शेष है ।
उपरोक्त वर्णित संपत्ति के संबंध मे कोई भी व्यक्ति, कोई परिवारिक सदस्य, किसी संस्था (शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तीय निकाय) फर्म, समूह, कंपनी, ट्रस्ट या अन्य किसी को विक्रय करने के संबंध मे कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिनों के अंदर मय दस्तावेज़ सहित मेरे कार्यालय मे उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार के द्वारा अपने पक्ष में विक्रय पंजीयन की कार्यवाही करा लिया जावेगा। जो कि मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी । सो सूचना जानें।

दिनांक-23/07/2025

नीलेश कुमार देवांगन, अधिवक्ता
एन. के. देवांगन एण्ड कं.
पंचपथ पारा चौक, भोई पारा के पास,
वार्ड ब्राम्हण पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. 9300302418

खबर संक्षेप

जिला लोधी समाज की हुई पहली बैठक

रायपुर। राजधानी रायपुर के रामनगर सर्किल में विगत दिनों लोधी क्षत्रिय समाज के जिलास्तरीय कार्यकारिणी एवं सर्किल पदाधिकारियों की प्रथम बैठक हुई। बैठक के निर्धारित विषयवस्तु के अनुसार चर्चा करते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज के पूर्व पदाधिकारी कमलेश्वर वर्मा, मूलचंद लोधी एवं बेमेतरा जिला अध्यक्ष गोवेंद्र पटेल के विरुद्ध सदस्यों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया, क्योंकि इन पदाधिकारियों ने 'जय अवंती लोधी क्षत्रिय समाज' के अध्यक्ष तेजसिंह जंघेल द्वारा सामाजिक व्यवस्था की अवहेलना करते हुए अलग से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की गई, जिसमें इन पदाधिकारीयों ने सामाजिक एकता को भंग करने का प्रयास किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने इसे संगठन के विरुद्ध अनुशासनहीनता माना। आगामी 10 अगस्त को सभी सर्किलों द्वारा संयुक्त रूप से रायपुर में जिला स्तरीय भोजली उत्सव करने पर सहमति व्यक्त की गई। यह जानकारी लोधी क्षत्रिय समाज के महासचिव दीपक जंघेल ने देते हुए बताया कि बैठक में आगामी 16 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती को जिला चिकित्सालय परिसर पंडरी में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया जाएगा। इस बैठक में जिला अध्यक्ष तेजशंकर जंघेल आदि उपस्थित थे।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिले 2 मैडल

रायपुर। थाईलैंड पटाया में 16 से 19 जुलाई तक आयोजित वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में छग के 2 खिलाड़ी को मैडल मिला। इस प्रतियोगिता में विश्व भर के अनेक देशों से आए चयनित खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनके कोच मानिक ताम्रकार ने बताया कि छग के सितलेश पटेल पुरुष वर्ग में सिल्वर मैडल प्राप्त किया। उसी प्रकार महिला वर्ग में माधुरी सोनवानी ने ब्रॉन्ज मैडल प्राप्त किया। दोनों मेडलिस्ट खिलाड़ी वर्तमान में छग पुलिस में कार्यरत है। उनकी इस उपलब्धि को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और विधायक सुनील सोनी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिए।

निधन

ऊषा शर्मा

रायपुर। मारुति इनक्लेव टाटीबंध निवासी ऊषा शर्मा का 23 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे डॉ वाणी तिवारी, हर्ष शर्मा, तुषार शर्मा की माता थीं।

उर्मिला बाई चंदेल

रायपुर। अभनपुर के ग्राम मानिकचौरी निवासी उर्मिला बाई चंदेल (75) का 23 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम मानिकचौरी मुक्तिधाम में किया गया। वे बाबूलाल चंदेल की पत्नी और मनहरण, डेरहा, रमेश, रुक्मणी जोगी तथा उषा की माता एवं चेतन चंदेल व टीकम चंदेल की चाची थीं।

रवि सिंह ठाकुर

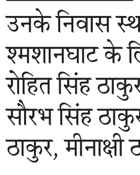

रायपुर। चंगोराभाठा निवासी रवि सिंह ठाकुर का 23 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे रोहित सिंह ठाकुर के पुत्र और सौरभ सिंह ठाकुर, विक्की सिंह ठाकुर, मीनाक्षी ठाकुर के पिता थे।

खबर संक्षेप

हरचरण साहनी ट्रांसपोर्ट चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने ट्रांसपोर्ट संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए चैंबर द्वारा ट्रांसपोर्ट चैंबर रायपुर का गठन किया है। उन्होंने हरचरण सिंह साहनी को ट्रांसपोर्ट चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। श्री थौरानी ने हरचरण सिंह साहनी को बधाई देते हुए कहा है कि वे प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के हित में कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर को एक नई ऊंचाईयों पर लेकर जायेंगे। इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष -राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष- जितेन्द्र शादीजा, दिलीप इसरानी, मुकेश अग्रवाल अध्यक्ष बरमकेला इकाई, पुरूषोत्तम अग्रवाल बरमकेला, रवि सचदेव, भोलानाथ सेठ एवं महिला चैबर अध्यक्ष श्रीमती डॉ. ईला गुप्ता एवं टीम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्पॉट काउंसिलिंग के बाद 556 सीटें रिक्त

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विवि में बीएससी एग्रीकल्चर की रिक्त सीटों के लिए ऑनस्पॉट काउंसिलिंग बुधवार को समाप्त हो गई। 2015 सीटों में से 1459 सीटों पर दाखिले पूर्ण हो गए हैं, जबकि 556 सीटें अब भी रिक्त हैं। इन्हें भरने की प्रक्रिया 25 जुलाई से प्रारंभ होगी। खाली रह गई सीटों के लिए पीएटी की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। 12वीं उत्तीर्ण छात्र भी आवेदन के लिए पात्र होंगे।

बीएड के परिणाम 96%

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बीएड चतुर्थ वर्ष के परिणाम बुधवार को जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा में 3959 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 96.36% ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। एमए संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम 90%, एमए क्लासिक प्राच्य संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम 78.57% तथा द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम 87.5% रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के 1227 व्याख्याताओं का प्रमोशन, आदेश जारी

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग में विभिन्न विषयों के 1227 व्याख्याता (टी संवर्ग) को पदोन्नति का लाभ मिला है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को इसका आदेश जारी कर दिया है। इन व्याख्याताओं की पदस्थापना काउंसिलिंग के माध्यम से की जाएगी। इन विषयों में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और वाणिज्य जैसे मुख्य विषय शामिल हैं। विगत एक वर्ष में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला एवं संभाग स्तर पर लगभग 7 हजार पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही संपन्न की गई है। इसके साथ ही, 2621 सहायक शिक्षक (विज्ञान प्रयोगशाला) की सीधी भर्ती काउंसिलिंग के माध्यम से की गई, जिससे स्कूलों में प्रयोगात्मक शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इसके पूर्व लगभग 2900 प्राचार्यों के पदोन्नति आदेश भी जारी किए जा चुके हैं।

आयुष शर्मा ने जेआरएफ में 99.75% अंक प्राप्त कर रचा कीर्तिमान

रायपुर। आयुष शर्मा ने जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) परीक्षा में 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित कर अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। आयुष ने इससे पूर्व एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और एलएलएम में विश्वविद्यालय

मेरिट सूची में आठवां स्थान हासिल किया। साथ ही उन्होंने यूजीसी नेट भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। जेआरएफ में चयनित होने के पश्चात उन्हें प्रतिमाह 65 हजार की स्कॉलरशिप प्राप्त होगी, जो शोधकार्य के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। यूजीसी नेट जेआरएफ की सफलता दर काफी कम है, केवल लगभग 0.6% से 0.7% ही उम्मीदवार इस परीक्षा में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए योग्य ठहरते हैं।

अनोखा प्रकरण : दूसरे परिवार के साथ रह रही बेटी, मां ने लगाया गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में एक अनोखा प्रकरण आया, जिसमें एक बालिग लड़की अपनी मां का घर छोड़कर दूसरे परिवार में एक दंपति के साथ रहने चली गई। इसे लेकर लड़की की मां ने आरोप लगाए हैं कि दंपति उसकी बेटी को समलैंगिक है, कहकर अफवाह फैला रहे हैं, साथ ही उसके घर पहले भी कई लड़कियों को आते देखा है, जो गायब हो गई हैं। आयोग ने इस मामले को मानव तस्करी से जुड़ा होने की आशंका जताते हुए गोलबाजार पुलिस को छानबीन कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

मां के घर जाने तैयार नहीं हुई बेटी, भेजा गया सखी केंद्र

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति में बुधवार को आयोग के रायपुर कार्यालय में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई हुई। इस सुनवाई में रायपुर की सड्डू निवासी एक महिला ने शिकायत की है कि उसकी 22 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर एक दंपति ने अपने घर पर रख लिया है तथा जब भी वह बेटी से मिलने जाती है, तो उससे मिलने नहीं दिया जाता। महिला ने दंपति पर यह भी आरोप लगाए हैं कि वे दोनों उसकी बेटी को समलैंगिक होने की अफवाह फैला रहे हैं तथा कई बार उसके घर में हर 6-7 महीने में एक लड़की को आते देखा है, लेकिन उसके बाद वह लड़की गायब हो जाती है। उन्होंने आशंका जताई कि दंपति मानव तस्करी से भी जुड़े हो सकते हैं। इस सुनवाई के दौरान आयोग ने पहले महिला की बेटी को अपने घर लौटने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं मानी। आयोग ने जब उसकी बेटी से कहा कि अगर वह घर नहीं जाएगी, तो उसे सखी केंद्र भेजा जाएगा। युवती ने कहा कि वह सखी केंद्र जाने के लिए तैयार है, लेकिन अपनी मां के घर नहीं लौटेगी। इसके बाद आयोग ने युवती को सखी केंद्र भेजा, वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए गोलबाजार पुलिस को इस पूरे मामले की छानबीन करने के निर्देश दिए। इसके तहत आयोग ने पुलिस को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने कहा है।

ससुराल वाले 50 किलो चांदी देने के साथ करेंगे दुकान की व्यवस्था

आयोग में एक अन्य प्रकरण में एक महिला ने ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि उसके पति की मृत्यु के बाद उनके द्वारा कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे उसे अपने दो बच्चों के पालन-पोषण में दिक्कत आ रही है, जबकि उसके पति की ज्वेलर्स की दुकान थी, जिसमें रखे सोने-चांदी पर ससुराल वालों ने कब्जा कर लिया है। आयोग ने इस मामले में ससुराल वालों का पक्ष जाना, जिसके बाद वे सुलहनामा के लिए राजी हो गए। आयोग ने इसके बाद ससुराल वालों को निर्देश दिए कि वह आवेदिका को 10 किलो चांदी एवं एक दुकान की व्यवस्था कराएंगे, ताकि वह स्वयं व्यापार कर अपना और बच्चों का पालन-पोषण कर सके। आयोग के इस फैसले पर आवेदिका और अनावेदक पक्ष दोनों ने सहमति जताई।

स्वच्छता कर्मचारियों के सम्मान समारोह में नगरीय प्रशासन मंत्री हुए शामिल

जनभागीदारी से स्वच्छता आंदोलन को मिलेगी मजबूती : अरुण साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा है, जनभागीदारी से ही स्वच्छता आंदोलन को मजबूती मिलेगी। रायपुर को नंबर वन बनाने सफाई के कार्यों में जन सहभागिता बढ़ानी होगी। स्वच्छता केवल निगम की नहीं, हम सभी की जिम्मेदारी है। बुधवार को शहीद स्मारक सभागार में नगर निगम की ओर से आयोजित स्वच्छता कर्मचारियों के सम्मान समारोह में श्री साव ने इस आशय के उद्गार व्यक्त किये।

■ शहीद स्मारक सभागार में सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों को किया सम्मानित

रायपुर को देश का चौथा स्वच्छ शहर बनाने में योगदान के लिए उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को मंच सम्मानित किया।

बुधवार को रायपुर नगर निगम द्वारा 25 स्वच्छता निरीक्षकों, 144 स्वच्छता दीदियों और 52 सफाई मित्रों के सम्मान में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा रायपुर शहर के एक-एक व्यक्ति, एक-एक परिवार को इस मिशन से जोड़ना होगा, तभी हम रायपुर को देश का स्वच्छतम शहर बना सकेंगे।सफाई मित्र और स्वच्छता दीदियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर शहर को 10 लाख से अधिक आबादी वाले मिलेनियम प्लस सिटी की श्रेणी में में देश का चौथा सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग मिला है। इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का सक्रिय योगदान है। इसी तरह शहर को गारबेज फ्री सिटी और सेवन स्टार रैंकिंग के साथ वाटर प्लस सर्टिफिकेशन मिलना गौरव की बात है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर सहित प्रदेश के सात शहरों को स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्यों हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। स्वच्छ सर्वेक्षण में शामिल राज्य के 169 शहरों में से 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग सुधारी है। छत्तीसगढ़ की इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का अमूल्य योगदान है, जिसके लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं।

महापौर मीनल चौबे ने समारोह में कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में रायपुर शहर को जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, उसकी नींव की पत्थर हमारी स्वच्छता दीदियां और सफाई मित्र ही हैं। स्वच्छता सेवा और समर्पण का काम है जिसे ये पूर्ण मनोयोग से कर रही हैं। आने वाले समय में रायपुर को देश का सबसे साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए हम सभी गंभीरता और सक्रियता से काम करेंगे।

निगम के स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष गायत्री चन्द्राकर और आयुक्त विश्वदीप ने भी समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर अपर आयुक्त यू.एस. अग्रवाल, विनोद पाण्डेय और स्वास्थ्य अधिकारी प्रीति सिंह सहित सभी जोनों के अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी और सफाई कर्मी बड़ी संख्या में समारोह में मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर स्वच्छता दीदियों को मिलेगा 1 हजार रुपये बोनस

निगम सभापति सूर्यकांत राठौर ने स्वच्छता दीदियों को रक्षाबंधन के दिन 1 हजार रुपये देने की घोषणा की है। सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप लोग शहर को साफ और सुंदर बनाने के लिए धूप, बरसात और ठंड में भी अपने कार्यों को अंजाम देते हैं। आप लोगों की मेहनत से हमें नई दिल्ली में सम्मानित होने का मौका मिला है। कोरोना महामारी के कठिन समय में भी आपने ने सराहनीय काम किया है।

वन विभाग ने 11 साल बाद सीसीएमबी से क्लोनिंग वनभैंसा का जेरॉक्स कॉपी निकलवाने सवाल पूछा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वन विभाग के एक पत्र से 11 वर्ष पूर्व क्लोन से तैयार राजकीय पशु दीपाआश नाम की कथित वनभैंसा का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। वन्यजीव प्रेमियों के दबाव के कारण इस साल मार्च में सीसीएमबी हैदराबाद को पत्र लिख कर सवाल पूछा कि "क्या तकनीकी रूप से जंगली भैंसा की क्लोनिंग विधि से जेरॉक्स प्रतिलिपि बनाना संभव है, जहां क्लोनिंग के लिए अंडाशय और अंडाणु बूचड़खाने से प्राप्त किए जाते हैं। विभाग के पत्र के जवाब में सीसीएमबी ने जवाब देते हुए दीपआशा को अप्रत्यक्ष तौर पर मुर्रा भैंसा मानते हुए नया क्लोन तैयार कर मिलान करना असंभव बताया। उल्लेखनीय है कि 11 वर्ष पूर्व वन विभाग ने विश्व की पहली वन भैंसा का क्लोन पैदा करने का दावा कर सुर्खियां बटोरी थी। दीपआशा का जन्म उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व की वन भैंसा आशा के सोमेटिक सेल कल्चर से और दिल्ली के बूचड़खाने की देसी भैंस के अंडाशय से क्लोन की तकनीक से 12 दिसंबर 2014 को नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट करनाल में हुआ था। क्लोनिंग में एक करोड़ खर्च किया गया था। करनाल से 28 अगस्त 2018 को दीपआशा जंगल सफारी नवा रायपुर लाई गई। उसके लिए ढाई करोड़ का बाड़ा बनवाया गया।

11 साल बाद भी डीएनए रिपोर्ट नहीं

दीपआशा वन भैंसा है या मुर्रा भैंसा, इसकी जानकारी जुटाने कुछ साल पहले डीएनए सैंपल सीसीएमबी हैदराबाद और वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया देहरादून भेजा गया, जिसकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। जानकारों का दावा है कि पोल नहीं खुल जाए इसलिए वन विभाग ने रिपोर्ट रुकवा रखी है। इस बीच वन्यजीव प्रेमियों के डीएनए रिपोर्ट बुलाने दबाव के कारण छत्तीसगढ़ वन विभाग ने डीएनए रिपोर्ट बुलाने के बजाये, 11 साल बाद मार्च 2025 में सीसीएमबी हैदराबाद से पूछा कि "क्या तकनीकी रूप से जंगली भैंस की क्लोनिंग विधि से जेरॉक्स प्रतिलिपि बनाना संभव है, जहां क्लोनिंग के लिए अंडाशय और अंडाणु बूचड़खाने से प्राप्त किए जाते हैं।

सीसीएमबी ने कहा संभव नहीं

सीसीएमबी ने वन विभाग के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि दीपआशा में संभवतः इसे घरेलू भैंसा से कुछ एमटी डीएनए विरासत में मिला है, क्योंकि क्लोनिंग के लिए उपयोग किए गए अंडकोशिकाएं घरेलू भैंसा से प्राप्त हुई थीं, पर जवाब के अंत में जो तकनीकी जवाब दिया उसका मतलब है कि आज की तकनीक से लुप्तप्राय जानवर का क्लोन बनाकर उसका डीएनए जंगली (डोनर) जानवर से पूरी तरह मिलाना संभव नहीं है।

3 स्थानों पर वर्किंग वीमेंस के लिए हॉस्टल बनाने टेंडर, 2 दर्जन एजेंसियों ने दिखाई दिलचस्पी, तीन दिन में तय होगी एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में बाहर से आकर काम करने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए शहर में अब तीन स्थानों पर वर्किंग वीमेंस हॉस्टल का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए समता कालोनी के भैंसथान, टिकरापारा क्षेत्र के नरैया तालाब के पास वाली जमीन और पंडरी बस डिपो के पीछे वाली जमीन चिन्हांकित की गयी है। नगर निगम ने 3 अलग-अलग स्थानों पर वर्किंग वीमेंस हॉस्टल निर्माण के लिए ऑनलाइन टेंडर किया, जिसमें 2 दर्जन एजेंसियों ने निविदा भरी है। तीन दिनों के अंदर एजेंसी तय कर इसी सप्ताह से हॉस्टल निर्माण का काम शुरू होगा। वर्किंग वीमेन हॉस्टल बनाने के लिए अनुबंधित एजेंसी को एक साल समय सीमा दी गयी है।

दरअसल, केन्द्र सरकार ने विशेष पूंजीगत योजना के अंतर्गत रायपुर में तीन जगहों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाने 48 करोड़ रुपये की स्वीकृति नगर निगम को दी है।

250 बेड की क्षमता वाले प्रत्येक हॉस्टल में डबल बेडरूम वाले कमरे में अटैच बाथरूम की सुविधा रहेगी। हॉस्टल सीसीटीवी कैमरे से लैस रहेगा, साथ ही यहां रहने वालों महिलाओं लिए मैस की सुविधा भी रहेगी। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड पर हॉस्टल का संचालन करने एजेंसी तय की जाएगी।

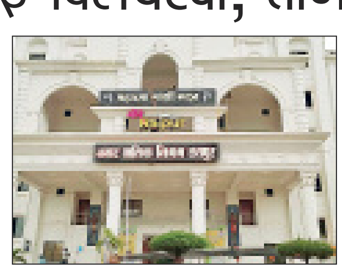

जल्द निर्माण शुरू

शहर में 3 स्थानों पर वर्किंग वीमेन हॉस्टल बनाने 48 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। स्थल चयन के बाद ऑनलाइन टेंडर किया गया। अब जल्द एजेंसी तय कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। हमारा प्रयास है कि कामकाजी महिलाओं को शहर में सुरक्षित व किफायती आवास की सुविधा मिल सके।

- **मीनल चौबे,** महापौर, नगर निगम रायपुर

शहरी सरकार के बजट में है शामिल

महापौर मीनल चौबे के कार्यकाल के पहले निगम बजट में कामकाजी महिलाओं के लिए आवास की सुविधा को प्रमुखता देते हुए इसे शामिल किया गया है। नगर निगम के तरफ से इसके लिए एक प्रस्ताव बनाकर शासन से स्वीकृति और फंड की मांग की गयी थी। शासन से मंजूरी मिलने के बाद कामकाजी महिलाओं के लिए शहर के रहवासी इलाकों के समीप 3 छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। छात्रावास के बाहरी हिस्से में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए जगह बनायी जाएगी, ताकि छात्रावास के संचालन में किसी तरह की दिक्कत न हो। इससे एक ओर जहां जरूरतमंद कामकाजी महिलाओं को शहर के बीच रहने का सुरक्षित ठिकाना मिल सकेगा, वहीं नगर निगम को इससे अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

ऑनलाइन टेंडर में 2 दर्जन एजेंसी ने भरी निविदा

नगर निगम ने 3 स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण कराने ऑनलाइन टेंडर किया, जिसमें भैंसथान वाले स्थल पर हॉस्टल निर्माण के लिए 6 एजेंसियों ने निविदा भरी। नरैया तालाब के समीप हॉस्टल निर्माण के लिए 9 एजेंसी और पंडरी के पुराना बस डिपो के पीछे वाली जगह पर हॉस्टल बनाने 9 लोगों ने दिलचस्पी दिखाई है। निविदा में भाग लेने वाली एजेंसी में रायपुर और अंबिकापुर सहित अन्य स्थानों की एजेंसी शामिल हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक 3 दिन के अंदर निर्माण के लिए एजेंसी तय कर इसी सप्ताह से हॉस्टल निर्माण का कार्य शुरू होगा।

किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध कराने की मांग, कई समितियों का किया निरीक्षण

रायपुर। सभी सहकारी समितियों में डीएपी खाद की भारी कमी है, किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल पा रही है, जिससे उन्हें फसल की बुवाई में कठिनाई हो रही है। जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। इस समस्याओं को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस रायपुर अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने चेतावनी देते हुए राज्य सरकार से मांग की है कि किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध कराए डीएपी अन्यथा किसानों को लेकर उग्र प्रदर्शन, तालाबंदी सहित चक्काजाम करने मजबूर होंगे। इस मौके पर जिला कांग्रेस रायपुर अध्यक्ष श्री वर्मा ने बताया कि बुधवार को कई समितियों का निरीक्षण कर किसानों से चर्चा की। चर्चा के दौरान जानकारी मिली कि विभिन्न समितियों में खोना, मढ़ी, बरतोरी, बंगोली, बेलदारसिवनी, एडसेना, फरहदा, कनकी, कुम्हारी, छड़ियां, पचरी, खरोरा, कठिया, टंडवा, टोहड़ा, सरफोगा, मोहरेंगा, चापा, बिलाड़ी, भीमभौरी, सहित, आरंग, अभनपुर ब्लॉक के सभी समितियों में डीएपी खाद की भारी किल्लत है, कही-कही अभी कम मात्रा में खाद आए है, जैसे चंडी समिति में आए है लेकिन अभी 90 प्रतिशत किसानों को डीएपी खाद नहीं मिला है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी गंभीर समस्या है।

सतनामी समाज ने मनाया गुरु रूद्र कुमार का अवतरण दिवस

रायपुर। सतनाम पंथ गुरु गद्दीनशीन एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री गुरु रूद्र कुमार बुधवार को अपने रायपुर निवास पहुंचे। इस अवसर पर सतनामी समाज के वरिष्ठ जन सहित छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जगत गुरु रूद्र कुमार के दर्शन लाभ के साथ उनका अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर गुरु रूद्र कुमार ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया और कहा कि आप सभी के प्यार स्नेह के लिए मैं हृदय से आभारी हूं। आप सभी का सहयोग मुझे ऐसे ही मिलता रहे और मैं सतनाम धर्म गुरु होने के कारण मेरे ऊपर जवाबदारी ज्यादा है मैं परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के बताए हुए मार्गो में चलने की कोशिश कर रहा हूं, मनखे-मनखे एक समान बाबा के दिए उसे महामंत्र को शिरोधार्य करके मैं आज सतनाम धर्म के ध्वजा को लेकर पूर्व में मेरे द्वारा सतनाम धर्म यात्रा कर पूरे छत्तीसगढ़ में सतनाम धर्म का और परम पूज्य बाबा गुरु घासीदासजी के आशीर्वाद वचनों को लोगों तक पहुंचाया, आज बाबा के ही आशीर्वाद से मैं निरंतर सतनाम धर्म के सभी अनुयायियों को धर्म के प्रति आस्था विश्वास को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा हूं, आप सभी ने मेरा अवतरण दिवस इतने धूमधाम से मनाया उसके लिए मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया 118वां स्थापना दिवस, नवाचार और भरोसे पर दिया जोर

रायपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने 118वें स्थापना दिवस पर नवाचार और स्थायित्वपूर्ण वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस वर्ष की थीम 'भरोसे का सशक्त आधारः नवाचार' रखी गई। इस अवसर पर वित्तीय सेवाएं विभाग के सचिव एम. नागराजू मुख्य अतिथि रहे। बैंक ने डिजिटल, संवहनीय बैंकिंग और ग्रीन फाइनेंस के क्षेत्र में कई नई पहलों की घोषणा की। इनमें एमएसएमई और व्यापारियों के लिए बॉब वर्ल्ड बिज़नेस ऐप, एआई आधारित वर्चुअल फ्रंट ऑफिस, बॉब इ-पे इंटरनेशनल, दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल डेबिट कार्ड और ग्रीन फाइनेंस योजनाएं प्रमुख हैं। बैंक के एमडी और सीईओ देबदत्त चांद ने कहा कि ये पहल बैंक को अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। उन्होंने भारत के समावेशी और डिजिटल भविष्य में बैंक की भूमिका को भी रेखांकित किया।

इट्सा हॉस्पिटल में महिला मरीज का सफल इलाज

रायपुर। इट्सा हॉस्पिटल में भर्ती अंजलि वर्मा (35) ने गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते हुए पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। 5 जून को उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद उनके हाथ की ह्यूमरस हड्डी का ऑपरेशन हुआ, लेकिन इसके बाद उन्हें बुखार, उल्टी और रक्तचाप में गिरावट जैसी जटिलताएं हो गईं। उन्हें इनोट्रोपिक, ऑक्सीजन सपोर्ट और बाद में वेंटिलेटर पर रखा गया। एचआरसीटी में बायलेट्रल निमोनिया और टाइप 2 रेस्पिरेटरी फेलियर पाया गया। इलाज के दौरान यह भी सामने आया कि उन्होंने हर्बल दवाएं ली थीं, जिससे लिवर संबंधी समस्याएं बढ़ीं। डॉक्टरों की टीम की लगातार निगरानी, दवाओं और फिजियोथेरेपी से 7 जून को उन्हें एक्सटुबेट किया गया। धीरे-धीरे उनकी हालत में सुधार हुआ और 21 जून को उन्हें छुट्टी दे दी गई।

निगम से सेवानिवृत्त 55 कर्मचारियों का सामूहिक सेवा सम्मान कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम रायपुर कर्मचारी एकता संघ की ओर से 25 जुलाई को दोपहर 3 बजे से महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभा सभागार में निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में सामूहिक सेवा सम्मान कार्यक्रम आयोजित है। महापौर मीनल चौबे के मुख्य आतिथ्य और सभापति सूर्यकांत राठौर की अध्यक्षता में नगर निगम से वर्ष 2025 के दौरान जनवरी से जुलाई तक सेवानिवृत्त 55 कर्मचारियो का सम्मान महात्मा गांधी सदन के सभागार में किया जा रहा है। 25 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में निगम की सेवा से सेवानिवृत्त हुए सेवानिवृत्त निगम कर्मचारियों का सामूहिक सेवा सम्मान किया जाएगा। महापौर मीनल चौबे के मुख्य आतिथ्य में यह कार्यक्रम आयोजित है, कार्यक्रम में निगम आयुक्त विश्वदीप सहित विशेष रूप से शामिल होंगे। नगर निगम रायपुर कर्मचारी एकता संघ द्वारा निगम के एमआईसी सदस्यों, पार्षदों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित सेवानिवृत्त 55 निगम कर्मचारियों के संबधित परिवारजनों को आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया गया है। रायपुर नगर निगम कर्मचारी एकता संघ गठन के एक वर्ष के भीतर नगर निगम के सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों के सम्मान हेतु यह तीसरा आयोजन रखा गया है। संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाघव सहित सभी पदाधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी।

■ महापौर, सभापति गांधी सदन में करेंगे सम्मानित

हरिभूमि लाइव
रायपुर, गुरुवार 24 जुलाई 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

कृषि औजारों की पूजा संग गेड़ी दौड़....

सुर-ताल संग कथक की जुगलबंदी ने किया मंत्रमुग्ध

शांति और भक्ति रस से सराबोर हुआ सभागार

देश-दुनिया में ख्याति प्राप्त सुसान मोहिप ने हरिभूमि से साझा की अब तक सफर से जुड़ी यादें

रायपुर। शहर के कला प्रेमियों को यह अवसर महाराष्ट्र मंडल ने दिया। बाल गंगाधर तिलक व चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर किए गए आयोजन में कथक नृत्य और शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई। इस बार संत ज्ञानेश्वर सभागार में संगीत समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए वेस्टइंडीज के त्रिनिदाद से सुप्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना सुसान मोहिप उपस्थित रहीं। इस अवसर पर वेस्टइंडीज से लोकप्रिय गायक एवं वादक राणा मोहिप भी कार्यक्रम में शामिल हुए। देर शाम आयोजित लगभग 20 मिनट की प्रस्तुति ने सभागार में मौजूद सभी दर्शकों को मंत्रमुक्त कर दिया। जहां राग भूपाली में महादेव की स्तुति 'महेश्वरा महादेव' की बंदिश पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

'सुर-ताल संग कथक की जुगलबंदी का अद्भुत संगम के साक्षी शहर के सैकड़ों कलाप्रेमी बने। कलाकारों ने राग भूपाली में महादेव की स्तुति पर कल्याण थाट में शांति और भक्ति रस के साथ महेश्वरा महादेव के विविध भावों को नृत्य प्रस्तुति में अभिव्यक्ति किया। इसे देखकर कला प्रेमी मंत्रमुग्ध हुए। इसे तबले की लय और संगीत की मधुर ध्वनि के साथ सुसान मोहिप की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। जहां पैरों की थाप, तबले की गूंज, हाथों की मुद्राएं और चेहरे की भाव-भंगिमाओं ने मिलकर ऐसा दिव्य दृश्य निर्मित किया, जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए।'

संगत ने मंचीय प्रस्तुति को बना दिया खास

इस संगीत एवं नृत्य समारोह में मुख्य अतिथि नेहरू युवा केंद्र के स्टेट डायरेक्टर अतुल निकम मौजूद रहे। जयंती अवसर पर गायन में डॉ. साधना रहाटगांवकर, तबला पर पंडित अवध सिंह ठाकुर, संगीत शफीक हुसैन, बासुरी पर डॉ. बिहारी लाल तारम की संगत ने मंचीय प्रस्तुति को खास बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने की। दर्शक दीर्घा में मंचीय प्रस्तुति के दौरान उत्साह का माहौल था। जहां दर्शक दीर्घा में नृत्य की अलग-अलग विधा में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं की तादाद ज्यादा रही।

वेस्टइंडीज की नृत्यांगना सुसान से खास बातचीत

तीन साल की उम्र में भारत से वेस्टइंडीज पहुंचे। प्रदीप शंकर नाम के चर्चित कथक कलाकार की प्रस्तुति पहली बार देखने को मिली। इससे प्रेरित होकर मां का रूझान शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के प्रति बढ़ने लगा। साल 1989 में पहली बार भारत आने का मौका मिला। इसके बाद स्कॉलरशिप की मदद से 1991 में कथक प्रशिक्षण शुरू किया। सुसान मोहिप ने बताया कि भारत से वेस्टइंडीज शिफ्ट होने के बाद उन्हें दोबारा लौटने का मौका ही नहीं मिला। लेकिन, भारत से दूर रहकर भी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के प्रति लगाव कभी कम नहीं हुआ। इस कला ने मुझे देश-दुनिया में पहचान दिलाई।

भारतीय संस्कृति एवं परंपरा से गहरा नाता

उन्होंने बताया कि शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य के प्रति आकर्षक परिधान, गुरु-शिष्य परंपरा, शाही धरोहर व संस्कृति के प्रति समर्पित भाव के कारण कथक में रूझान रहा। लगभग 30 साल से देश-दुनिया में कथक नृत्य की प्रस्तुति दे रही हूं। अभी मैं यूटीटी विश्वविद्यालय में शास्त्रीय संगीत व नृत्य की सीनियर लेक्चरर की उपाधि पर काम कर रही हूं। शुरुआती दौर में भाषा को लेकर कई समस्या देखने को मिली, लेकिन समय के साथ सब ठीक होता चला गया। वेस्टइंडीज की परंपरा में विवाह के बाद बेटियों को काम करने की अनुमति नहीं होती है। लेकिन, कथक नृत्य से मुझे कई स्थानों पर सफल प्रस्तुति के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है।

लाइव इवेंट

कृषि विवि के बीएससी में दाखिले के लिए द्वितीय चरण की काउंसिलिंग 26 जुलाई को

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के बीएससी कृषि में दाखिला लेने के लिए द्वितीय चरण की काउंसिलिंग होने जा रही है। ऐसे में रिक्त सीटों पर 12वीं परीक्षा के परिणामों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.igkv.ac.in पर 26 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। इस अवधि में पंजीयन करने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों के तर्ज पर उपरोक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे में निजी महाविद्यालयों में प्रबंधन सीटों पर प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 28 जुलाई से 3 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। बीएससी कृषि में उपलब्ध कुल 2015 सीटों में से अब तक 1348 सीटों पर प्रवेश दिया जा चुका है, वही तथा 667 सीटें रिक्त हैं।

अब तक 2015 सीटों में 667 सीटें रिक्त

नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया जारी है। काउंसिलिंग के द्वितीय चरण में स्पॉट काउंसिलिग मंगलवार 22 जुलाई से प्रारंभ की गई है, जो बुधवार 23 जुलाई तक चलेगी। स्पॉट काउंसिलिंग के दौरान विभिन्न कृषि महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर उपलब्धता के आधार पर दस्तावेजों के परीक्षण और फीस जमा कर प्रवेश दिया जा रहा है। 25 जुलाई को विभिन्न महाविद्यालयों में शेष सीटों का कन्वर्शन किया जाएगा। कन्वर्शन काउंसिलिंग के लिए प्रोविजनल सीट, महाविद्यालय आवंटन, तत्काल दस्तावेज एवं ऑनलाइन फीस जमा करने अभ्यर्थियों को कृषि महाविद्यालय रायपुर में 25 जुलाई को उपस्थित होना होगा। रिक्त सीटों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर 26 जुलाई को रात्रि 11.30 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन कराया जा सकता है। असफल फीस ट्रांजेक्शन वाले अभ्यर्थी 27 जुलाई को पुनः फीस जमा कर सकते हैं। ऑफलाइन दस्तावेजों का सत्यापन कृषि महाविद्यालय में 28 एवं 29 जुलाई को किया जाएगा।

सिटी इवेंट

पॉइंट 22 डीलक्स राइफल से 25 गज की दूरी से कैडेट्स ने किया शूट

रायपुर। एनसीसी निदेशालय मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की ओर से रायपुर ग्रुप 1 सीजी बटालियन एनसीसी कोरबा द्वारा संयुक्त वार्षिक स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा। दस दिवसीय प्रेस्टीजियस इंटर-ग्रुप प्रतियोगिता के दूसरे दिन एनसीसी कैडेट्स के बीच शूटिंग प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रायपुर ग्रुप के कैडेट ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। लखोली स्थित एनसीसी कैंप में आयोजित वार्षिक स्पर्धा का समापन 31 जुलाई को होगा। विजेता ग्रुप को दिल्ली में एमपी-सीजी की ओर से भाग लेने का मौका मिलेगा। ऐसे में प्रत्येक ग्रुप से 57 कैडेट्स का चयन किया गया है, जो इन दस दिनों में अपनी कौशल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इंटर ग्रुप प्रतियोगिता में बाधा प्रशिक्षण, नक्शा पढ़ना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, टेंट लगाना, दूरी मापन एवं फील्ड संकेत जैसे महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

विजेता कैडेट को दिल्ली जाने का मौका

बुधवार को फायरिंग कॉम्पिटिशन के दौरान 25 गज की दूरी से फायरिंग करने की चुनौती दी गई। कैडेट्स ने पॉइंट 22 डीलक्स राइफल की मदद से चिन्हित बिन्दुओं के आधार पर निशाना साधा। इस दौरान कर्नल प्रदीप कुमार नायर ने बताया कि मैप रीडिंग स्पर्धा का भी आयोजन किया जाएगा। कैडेट को मानचित्र को देखकर नक्शे में हम कहां मौजूद हैं? इसकी जानकारी प्रमुख बिन्दुओं के आधार पर देना होगा। ऐसे में उन्हें ग्रीड सिस्टम की मदद से नोर्थ और ईस्ट दिशा में मैप की डिग्री और एंगल की जांच कर यह जानकारी देनी होगी। प्रतियोगिता के दौरान यह सबसे मुश्किल टास्क होता है, जहां मानचित्र के अनुसार निश्चित लोकेशन की जानकारी देनी होती है। जो ग्रुप सबसे अधिक समय लगाएगा, उसे अपना नंबर गंवाना पड़ सकता है। स्पर्धा में एनसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम कैंप में उपस्थित है, जो लगातार कड़ी चुनौतियों के साथ प्रशिक्षण दे रहे हैं।

युवा कॅरियर संवारने के लिए अब होटल मैनेजमेंट में बीएससी और डिप्लोमा कोर्स को बना रहे विकल्प

रायपुर। क्लास रूम में पढ़ाई के बाद लैब में प्रैक्टिकल और इंडस्ट्रीज में इंटर्नशिप के साथ जॉब के लिए विद्यार्थी अब होटल मैनेजमेंट में बीएससी व डिप्लोमा कोर्स करने में रुचि लेने लगे हैं। डिग्री के लिए बीएससी भी कर रहे हैं। इसकी अवधि तीन से चार साल की हैं। इस चार साल के कोर्स में विद्यार्थियों को मास्टर की डिग्री के लिए पढ़ाया जाता है। डिप्लोमा का कोर्स डेढ़ साल का होता है। इसमें एक साल की पढ़ाई के साथ छह महीने के लिए इंडस्ट्री में इंटर्नशिप का अवसर मिलता है। आईएचएम में तीन डिप्लोमा कोर्स हैं। इसमें स्टूडेंट्स को फूड प्रोडक्शन, फूड एंड बेवरेज सर्विस और हाउस कीपिंग सर्विस के बारे में पढ़ाया जाता है। बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन में उनको फूड प्रोडक्शन, मैनेजमेंट, कुकिंग डेमोंस्ट्रेशन, फ्रंट ऑफिस प्रबंधन के लिए तैयार किया जाता है। कैटरिंग टेक्नोलॉजी और एप्लाइड न्यूट्रीशन डिपार्टमेंट की हेड प्रिया शर्मा ने बताया कि राज्य में अब इस कोर्स को लेकर ज्यादा सजग हैं।

डिग्री के साथ स्किल्स पर करते हैं फोकस

प्रिया शर्मा ने बताया कि डिग्री के साथ स्किल्स पर फोकस किया जाता है। प्रोफेसर विद्यार्थियों को संवाद के लिए स्किल, मैनेजमेंट, प्रॉब्लम सॉल्विंग, कस्टमर सर्विस के बारे में बताते हैं, ताकि इंडस्ट्री में आसानी से प्रॉब्लम को डील कर सकें। हर दिन 2 से 4 घंटे स्टूडेंट्स के क्लास होते हैं। इसमें प्रोफेसर स्टूडेंट्स को पढ़ाने के साथ स्किल्स डेवलपमेंट पर फोकस करते हुए आने वाले समय के लिए सजग भी करते हैं। उन्होंने बताया कि स्टूडेंट्स का जॉब होटल के साथ एयरलांइस, अंतरराष्ट्रीय होटल, मॉल व मैकडॉनल्ड्स के साथ अन्य जगहों पर हैं।

स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट

एडमिशन के समय स्टूडेंट्स को कांउसिलिंग सेशन दिया जाता है, जिससे वो पूरी तरह कोर्स के लिए तैयार हो सकें। आईएचएम द्वारा कई स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट शहर के साथ अन्य राज्यों में हुआ है। प्रिया शर्मा ने बताया कि तोशिमा पटेल का मेफेयर होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में हाउस कीपिंग सर्विस व प्रवीण की किचन डिपार्टमेंट में सेलेक्शन हुआ है। वहीं, प्रतिभा ठाकुर को चेन्नई के हयात रीजेंसी में फूड एंड बेवरेज सर्विस के लिए हायर किया गया है। उन्होंने आगे कहा बताया कि ट्रेंनिग के समय 30 से 35 हजार रुपए दिए जाते हैं, फिर होटल व कंपनी के काम और कंपनी अनुसार पैकेज डिसाइड किया जाता है।

दो दिवसीय कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा 25 व 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत 25 जुलाई को सुबह 8 बजे से होगी। इस दौरान शहीद नायक कौशल यादव को महापौर मीनल चौबे द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित कर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई जाएगी। बाइक रैली आकाशवाणी चौक से प्रारंभ होकर मरीन ड्राइव में समाप्त होगी। इस रैली से राष्ट्रीय एकता, सैनिक के प्रति सम्मान, बार्डर पर सुरक्षा जैसे कर्तव्यों के लिए लोग संकल्प लेंगे।

26 जुलाई को दी जाएगी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा शहीद स्मारक भवन में कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, शहीद परिवारों का सम्मान, कारगिल योद्धाओं का सम्मान और स्कूली छात्रों द्वारा देशभक्ति गाने पर प्रस्तुति दी जाएगी। समारोह की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे करेंगी। कार्यक्रम में संगठन के प्रांतीय सचिव नायक योगेश साहू, सूबेदार गजमोहन साहू, जिला अध्यक्ष खेमचंद निषाद एवं जिला उपाध्यक्ष विजय डागा के साथ अन्य सदस्य शामिल होंगे।

सीबीएससी व सीजी बोर्ड की सभी निजी स्कूलों में छत्तीसगढ़ी तीज-त्योहारों पर सेलिब्रेशन व एक्टिविटी

इंग्लिश मीडियम स्कूल कैलेंडर में लोकल तीज-त्योहार खेलकूद शामिल, छत्तीसगढ़ी कल्चर से जुड़ रहे बच्चे

कार्नर न्यूज

रायपुर। अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी छत्तीसगढ़ी कल्चर से जोड़ा जा रहा है। इन स्कूलों की वार्षिक कैलेंडर में छत्तीसगढ़ी तीज-त्योहारों पर सेलिब्रेशन व कई तरह की रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा स्कूल फंक्शन में भी छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत की प्रस्तुतियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस तरह से प्रदेश के अलावा दूसरे शहर या राज्य के बच्चे जो इन स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं, वे छत्तीसगढ़ी कल्चर को जान-समझ रहे हैं। यह एक तरह से इन स्कूल प्रबंधन व शिक्षा विभाग की अनूठी पहल है कि बच्चों को स्कूल एजुकेशन टाइम से लोकल कल्चर से जोड़ जा रहा है। इस पर प्रदेश के प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में संचालित सीजी, सीबीएससी सभी निजी स्कूलों में होने वाले सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों में छत्तीसगढ़ी कल्चर से संबंधित खेलकूद, फेस्टिवल सेलिब्रेशन को शामिल किया जा रहा है। बच्चे स्कूल प्रार्थना के साथ-साथ राजगीत गायन कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य की पहली पारंपरिक त्योहार हरेली को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में एक दिन पूर्व सेलिब्रेट किया गया है। इस पर बच्चों के लिए छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुरूप विविध थीम पर गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें से कुछ स्कूलों के शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ी कल्चर एक्टिविटी को लेकर जानकारी दी।

स्कूल में राजगीत गान अनिवार्य

शिवम एजुकेशनल एकेडमी इंद्रप्रस्थ रायपुरा के प्राचार्य विनोद पांडेय ने बताया कि उनके स्कूल में सप्ताह में तीन दिन अनिवार्य रूप से प्रार्थना के समय राजगीत का गान स्कूली बच्चे करते हैं। इसके अलावा प्रदेश में मनाए जाने वाले सभी छत्तीसगढ़ी पारंपरिक तीज-त्योहारों पर थीम बेस्ड प्रतियोगिताएं, कल्चर गतिविधि, खेलकूद को भी आयोजन किया जाता है। राज्य की पहली वार्षिक तिहार हरेली को स्कूल में बच्चों ने सेलिब्रेट किया है। इस पर गेंड़ी मेकिंग, पिट्ठुल, पारंपरिक वेश-भूषा को लेकर कई गतिविधयां की गईं।

लोकल तीज-त्योहार स्कूल कैलेंडर में शामिल

किड्स पैराडाइज स्कूल के डायरेक्टर फाहिद खान ने बताया कि उनके स्कूल में छत्तीसगढ़ी तीज-त्योहारों को स्कूल कैलेंडर में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ी भाषा में गतिविधियां कराने अलग से काउंसलर की टीम स्कूल में रखी गई है, जो स्कूल में होने वाली किसी भी फंक्शन में पारंपरिक गतिविधियों, भाषा को लेकर बच्चों को गाइड करते हैं। सिलेबस की पढ़ाई का माध्यम इंग्लिश मीडिया होता है।

फुगड़ी, वेष-भूषा, गेंड़ी मेकिंग कराई गई

प्लेहोम हाईट्स की प्राचार्य शिवानी जयसवाल ने बताया कि बच्चों को इंग्लिश मीडियम में एजुकेशन दिया जाता है। इस दौरान स्कूल में समय-समय पर छत्तीसगढ़ी लैग्वेज और फेस्टिवल पर बच्चों के लिए इवेंट किए जाते हैं, ताकि वे प्रदेश की पारंपरिक कल्चर से जुड़ सकें। स्कूल में हरेली पर्व मनाया गया, जिसमें बच्चों ने फुगड़ी, गेंड़ी बनाने और पारपंरिक वेषभूषा जैसी विविध गतिविधियों भाग लिया।

सिटी लाइव

प्रतिभाशाली छात्रों ने दी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में हरेली पर्व उत्साह और सांस्कृतिक उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों और शिक्षकों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत को जीवंत बनाने के लिए विविध सांस्कृतिक गतिविधियां कीं। इसमें प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत समूह गान और मनमोहक समूह नृत्य उल्लेखनीय रहा। अपनी प्रस्तुति से हरेली की सुंदरता और महत्व को बच्चों ने बहुत ही खूबसूरत तरीके से प्रदर्शित किया। वहीं, अपनी कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से छात्रों ने राज्य के कृषि और सांस्कृतिक परिदृश्य में त्योहार के ऐतिहासिक महत्व को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। प्रिंसिपल दलजीत सिंह ने छात्रों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की परंपराओं में गहराई से निहित एक त्योहार है।

सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक अद्भुत मंच

हमारे छात्रों के लिए ऐसी सांस्कृतिक बारीकियों को समझना और उनकी सराहना करना महत्वपूर्ण है। आज उनके प्रदर्शन ने न केवल उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित किया, बल्कि त्योहार के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में उनकी गहरी समझ को भी दर्शाया। यह उत्सव छात्रों के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक अद्भुत मंच था, जिससे गौरव और सामुदायिक भावना को बढ़ावा मिलता है।

सिटी इवेंट

समूह की महिलाओं ने स्व-निर्मित प्रोडक्ट्स का लगाया मेला

रायपुर। बिरगांव निगम के सभाकक्ष में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से महिला समूहों के द्वारा निर्मित प्रोडक्ट्स को बेचने के लिए मेला का आयोजन बुधवार को किया गया। महिला स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित राखी, जूता, चप्पल, कपड़े एवं खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। मां बम्लेश्वरी, नारी उत्थान, उज्जवल, करुणा माता शैलपुत्री, महालक्ष्मी, सिंधु वाहिनी मां बचत सहित 17 महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने बड़ी, पापड़, राखी, राशन सामान, कपड़ा, बैग, खाद्य सामग्री जैसे खाजा, ठेठरी, खुरमी, चिवड़ा, मिक्सचर, नमकीन के साथ ही जूता, चप्पल का भी स्टाल सजाया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद महापौर नंदलाल देवांगन ने इसे हर 15 दिन में लगाने का निर्णय लिया है।

लोगों ने खरीदी 18 हजार की सामग्री

धूप, रुई बत्ती, श्रृंगार सामान, बाल गोपाल श्रृंगार सामग्री, हार्पिक एसिड, फिनाइल जैसे उत्पादों की प्रदर्शनी महिलाओं ने लगाई। तीन घंटे की प्रदर्शनी में ही लगभग 18000 रुपए की सामग्री का विक्रय हुआ। इस अवसर पर महापौर नंदलाल देवांगन, सभापति कृपाराम निषाद, निगम आयुक्त युगल किशोर उर्वशा ने समूह की महिलाओं के काम को प्रोत्साहित करने के लिए हर 15 दिन में प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए तैयारी करने निर्देश दिया है। इसमें आसपास के रहवासी भी खरीदी के लिए परिवार के साथ पहुंचे। इससे कुछ समय के लिए सजाई गई प्रदर्शनी को भी लोगों से अच्छा रिस्पांस मिला।

सरकारी व सामाजिक संगठनों द्वारा हरेली तिहार को धूमधाम से मनाने विविध प्रतियोगिताएं व आयोजन किए जा रहे

कृषि औजारों की पूजा संग गेड़ी दौड़, झूला से हरेली पर दिखेगी छत्तीसगढ़ी संस्कृति -परंपरा की अनोखी झलक

छत्तीसगढ़ की पहली तिहार हरेली का उत्सव पूर्व संध्या से ही देखा गया। स्कूलों, सामाजिक संगठनों ने जहां हरेली तिहार पर विविध आयोजन किए, वहीं सरकारी स्तर पर छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग ने भी हरेली तिहार को धूमधाम से मनाने की पूरी तैयारी की हुई है। सामाजिक संगठनों ने भी विविध आयोजन जैसे गेड़ी दौड़, नारियल फेंक प्रतियोगिता, सावन झूला, सवनाही रामायण, कृषि औजारों की पूजा व प्रदर्शनी, पारंपरिक व्यंजन-पकवान का आनंद तिहार में लेने की पूरी तैयारी की है।

रायपुर। हरेली तिहार पर शहरवासियों में उत्सव का माहौल है। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति की विविध छटा भी दिखेगी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में त्योहारों, पर्वों का विशेष महत्व है। इन त्योहारों के क्रम में पहला त्योहार हरेली का है। हरेली त्यौहार को श्रावण मास के कृष्ण पक्ष अमावस्या में मनाया जाता है। हरेली त्यौहार किसानों और सभी छत्तीसगढ़वासियों का त्यौहार है। हरेली मतलब प्रकृति के चारों तरफ हरियाली से है। किसान खेत में जुताई- बोआई, रोपाई, बियासी के कार्य पूर्ण करके इस त्यौहार को मनाता है। हरेली त्यौहार की जड़ें छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि विरासत में हैं, जहां इसे लंबे समय से कृषि देवताओं के प्रति सम्मान के रूप में मनाया जाता रहा है। मानसून की शुरुआत में मनाया जाने वाला हरेली, बोआई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। साथ ही लोगों और उनकी जमीन के बीच गहरे बंधन को दर्शाता है। पीढ़ियों से चला आ रहा यह त्यौहार पारंपरिक रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों को कायम रखता है और इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान की एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है। हर साल की भांति इस साल भी लोग उत्साह के साथ हरेली पर्व पारंपरिक विधि-विधान से मना रहे हैं।

हरेली पर प्रकृति की पूजा का विधान

हरेली मनुष्य और प्रकृति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है, जो जमीन और जीवन को सहारा देने वाले औजारों के प्रति कृतज्ञता की भावना को उजागर करता है। परंपरागत रूप से इस त्यौहार को सांप्रदायिक संबंधों को मजबूत करने और कृषि एवं प्राकृतिक दुनिया की देखरेख करने वाली दिव्य शक्तियों का सम्मान करने के एक तरीके के रूप में देखा जाता है। सावन माह की अमावस्या पर होने वाली हरेली को साल की पहली त्यौहार के रूप में मनाते हैं। लगातार बारिश से खेतों की शुरुआती जुताई-रोपाई का काम होने पर खेतों में हरियाली बरकरार रहने के लिए इस त्यौहार को मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ के किसान हरेली त्यौहार के दिन गाय, बैल, भैंस को भी साफ-सुथरा कर नहलाते हैं। अपनी खेती में काम आने वाले औजारों को हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को धोकर और घर के बीच आंगन में रख दिया जाता है या आंगन के किसी कोने में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं और उसकी पूजा की जाती है। साथ ही अपने कुलदेवता की भी पूजा की जाती है। लोहार हर घर के मुख्य द्वार पर नीम की पत्ती लगाकर और चौखट में कील ठोंककर आशीष देते हैं।

हरेली में पारंपरिक व्यंजन व पकवान का खास महत्व

माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं के साथ पूजा करते हैं। हरेली के बच्चे गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस अवसर पर सभी के घरों में विशेष प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। चावल के आटे से बनी चीला रोटी को इस दिन लोग खूब चाव से खाते हैं। कोई इसे नमकीन बनाता है, तो कोई इसे मीठा भी बनाते हैं। यह खाने वालों की पसंद के ऊपर होता है। इस तरह से यह त्यौहार परम्पराओं से भरी हुई है। हरेली तिहार के दिन दरवाजे पर नीम की टहनी टांगने की लोक परंपरा है।

पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

हरेली पर्व पर गांव और शहरों में गेड़ी दौड़, नारियल फेंक प्रतियोगिता आयोजन की परंपरा है। इसी परंपरा को जीवंत रखने युवा प्रकोष्ठ शहर जिला साहू संघ रायपुर द्वारा हरेली तिहार पर गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन दोपहर 1 बजे तेलीबांधा मरीन ड्राइव तालाब पर किया गया है। इसी तरह अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा भी हरेली उत्सव व खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सुबह पूजा-अर्चना के बाद गांव के चौक-चौराहों पर युवाओं की टोली एकत्रित होंगी और नारियल फेंक प्रतियोगिता खेली जाएंगी। संस्कृति विभाग की ओर से मुख्यमंत्री निवास को हरेली तिहार थीम पर सजाया गया है, जहां पर कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, सवनाही रामायण, सावन झूला, पारंपरिक व्यंजन व पकवान खास आकर्षण का केंद्र होगा। वहीं, संस्कृति विभाग में भी संध्या में पारंपरिक हरेली उत्सव आयोजित किया जाएगा।

जीवन में समृद्धि से भी ज्यादा सदाचार के साथ बुद्धि में शुद्धि का होना जरूरी

रायपुर। जीवन में समृद्धि पाने के साथ सदाचारी बनने का भी लक्ष्य बनाएं। जीवन में व्यक्ति समृद्धि के पीछे भाग रहा है। सदाचार के गुण को अपने भीतर लाने का प्रयास नहीं करता है। इसके लिए भी उतना ही प्रयास होना चाहिए। समृद्धि कितनी भी महानतम क्यों ना हो, सदाचार ही हमेशा महान रहा है। समृद्धि पुण्य आश्रित और सदाचार स्व-आश्रित है। उक्त बातें बुधवार को टैगोर नगर पटवा भवन में चातुर्मासिक प्रवचन माला की श्रृंखला में उपाध्याय प्रवर मनीष सागर महाराज ने कही। उपाध्याय प्रवर ने आगे कहा कि खूब कमाया, खूब कमाए, लेकिन सब गंवा देते हैं। सदाचार हमेशा आपके पास रहेगा। यह बहुत मुश्किल से मिलता है। यह इस संसार की सबसे बड़ी पूंजी है। इसको कभी बेचना नहीं चाहिए। रिश्वत बहुत छोटी चीज है, लेकिन मर्यादा, नैतिकता की प्रमाणिकता बड़ी चीज है। सदाचार गया तो कमाने में जीवन बीत जाएगा।

विनय, गुरु भक्ति और मोक्ष मार्ग की व्याख्या

चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला में गुरुओं के सत्संग पर दिया प्रेरक प्रवचन

तीर्थ प्रेम विजय महाराज साहेब के दिव्य और प्रभावशाली प्रसंग पर दिव्य प्रवचन श्रृंखला में 'विनय गुण' पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने शिष्यों के आदर्श स्वरूप को गहराई से समझाते हुए प्रेरणादायी प्रसंगों से विनयवान आत्मा की पहचान और महिमा को उजागर किया। प्रवचन में 'उपदेश माला' ग्रंथ से एक ऐसे शिष्य का जिक्र किया, जिसे सर्वाइकल की समस्या थी। वह गुरु भगवंत की आज्ञा से जंगल में सांप की बांबी के पास गया। वहां सांप से सामना करते हुए बिना भय गुरु आज्ञा का पालन करता है। उसी आज्ञा से स्वास्थ्य लाभ होता है। प्रसंग दर्शाता है कि विनीत शिष्य को गुरु की आज्ञा में पूर्ण श्रद्धा और समर्पण होता है।

शिष्य गुरु की हर आज्ञा को स्वीकारें

इसी प्रकार 15वें तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ के समवसरण में घटित प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार एक तिर्यंच प्राणी (चूहा) मनुष्य बनकर केवल 8-9 वर्ष की आयु में ही मोक्ष प्राप्त करता है। यह उदाहरण सिद्ध करता है कि विनय और गुरु भक्ति से आत्मा कितना तीव्र विकास कर सकते हैं। साथ ही त्रिलोचन सूरीश्वरजी महाराज और उनके गुरु यशोदेव सूरीजी के प्रसंग को उद्धृत करते हुए बताया कि विनीत शिष्य किस प्रकार कठिन से कठिन उपवासों को गुरु आज्ञा पर सहज स्वीकार करता है। त्रिलोचन सूरी ने बुखार की अवस्था में भी 16-16 दिन के उपवासों को विनयपूर्वक ग्रहण किया और मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हुए।

शिव नैवेद्य को ग्रहण करने से बढ़ जाता है पुण्य प्रभाव

रायपपुर। भगवान शिव के नैवेद्य का दर्शन करने मात्र से व्यक्ति के पाप नष्ट हो जाते हैं। शिव नैवेद्य को ग्रहण करने से करोड़ पुण्य की प्राप्ति होती है। हजार यज्ञ करने की बात कौन करें? करोड़ यज्ञ करने के बाद भी वह फल प्राप्त नहीं होता है, जो फल भगवान शंकर के नैवेद्य को ग्रहण करने से प्राप्त हो जाता है। भगवान शंकर के नैवेद्य को विधिवत ग्रहण करने से व्यक्ति को शिवलोक की प्राप्ति होती है। जिस घर में शिव को नैवेद्य अर्पित किया जाता है या कहीं भी शिव की पूजा के बाद प्रसाद के रूप में प्राप्त नैवेद्य भी घर आता है, तो व्यक्ति का घर पवित्र हो जाता है। श्री शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला के प्रभारी एवं दंड़ी स्वामी डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ ने उक्त बातें बुधवार को शिव पुराण कथा प्रसंग में कही।

चण्ड के अधिकार से होता है मुक्त

नैवेद्य को प्रसन्नता के साथ तत्काल ग्रहण कर लेना चाहिए। विलंब करने से पाप का प्रभाव बढ़ता है। जो मनुष्य नैवेद्य को ग्रहण करने में विलंब करता है, उसे पाप लगता है। जो शिव दीक्षा से दीक्षित है अथवा नहीं है, सभी को शिव नैवेद्य खाने का अधिकार है। ब्रह्म हत्या करने वाला भी नैवेद्य ग्रहण करता है तो शिवनिर्माल्य को धारण करता है। जहां चण्ड का अधिकार होता है, वहां शिवलिंग के लिए समर्पित नैवेद्य मनुष्य को नहीं ग्रहण करना चाहिए। जहां चण्ड का अधिकार नहीं होता है, वहां शिवलिगं का नैवेद्य बड़ी भक्ति से ग्रहण करना चाहिए है। जो नैवेद्य शिवलिंग पर चढ़ाया जाता है, उस पर चण्ड का अधिकार होता है, जो शिवलिंग के बाहर रखा जाता है, वह चण्ड के अधिकार से मुक्त होता है।

गणेश की आकृति- ओम अंकित राखियों को डिजाइनर फ्लोरल और स्टोन वर्क से दिया डिफरेंट लुक

रायपुर। भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन जैसे-जैसे करीब आ रहा है, न केवल स्टाल और शॉप में रौनक बढ़ने लगी, बल्कि बाजार भी गुलजार होने लगे हैं। त्योहारी रौनक बढ़ने के साथ ही लोग गणेश की आकृति और ओम अंकित राखियों को डिजाइनर फ्लोरल और स्टोन वर्क से डिफरेंट लुक दिया है। इसके चलते इसे बहुत पसंद किया जा रहा है। राखियों की दुकानों से लेकर गिफ्ट शॉप तक, हर जगह ग्राहकों की चहल-पहल बढ़ने लगी है। गोलबाजार, भाठागांव और संतोषी नगर जैसे प्रमुख बाजारों में दुकानों की सजावट और ग्राहकों की भीड़ से माहौल पूरी तरह त्योहारी हो गया है। ग्राहकी बढ़ने से दुकानदारों के चेहरे पर चमक दिखाई दे रही है। आने वाले ग्राहक की डिमांड के बीच वे नई राखियों को भी सजाने लगे हैं।

डिजाइन की गई सोनेचांदी की राखी

इस बार मार्केट में पारंपरिक राखियों के साथ ही सोने और चांदी की राखियों की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों से बहनें अपने भाइयों के लिए खास और प्रीमियम राखियां पसंद कर रही हैं। गणेश की आकृति, ओम अंकित राखियां, डिजाइनर फ्लोरल राखियां और स्टोन वर्क वाली राखियों को पसंद किया जा रहा है। राखियों की कीमत 5 रुपए से 2000 रुपए हैं। इससे हर वर्ग के लोग अवसर को खास बनाने के लिए खरीदने में भी रुचि ले रहे हैं। इसकी मांग पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है।

गिफ्ट हैंपर, इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स खास

रक्षाबंधन पर भाई बहनों को गिफ्ट देते हैं। इसके चलते गिफ्ट्स में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बार मार्केट में इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स जैसे मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक बाइक, लैपटॉप और वीडियो गेम्स की बिक्री बढ़ी है। साथ ही गिफ्ट हैंपर की बड़ी मांग है। चॉकलेट्स, स्किन केयर प्रोडक्ट्स के साथ कॉफी मग, मिठाई और ड्राई फ्रूट्स जैसे आइटम्स का गिफ्ट बॉक्स 300 से लेकर 1500 रुपए तक की रेंज में लोग खरीद रहे हैं। ग्राहक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से गिफ्ट की खरीदारी कर रहे हैं।

पुरैना स्कूल के विद्यार्थियों ने वर्कशॉप में सीखा हैंडमेड मेकिंग के गुर

रायपुर। जेसीआई वामा कैपिटल द्वारा पुरैना स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हैंडमेड राखी मेकिंग वर्कशॉप में क्रिएटिव व घरेलू वस्तुओं से राखी तैयार करने की कला सिखाने पर जोर दिया गया। इस दौरान छात्रों ने वॉटर कलर, स्टोन, बिट्स, ऊन, रंगबिरंगे चमकीले धागे जैसी वस्तुओं से राखी तैयार की। कार्यक्रम के दौरान 160 से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई, जिन्होंने उत्साह से कार्यशाला में हिस्सा लिया।

जेसीआई वामा कैपिटल के सदस्यों की पहल

कार्यक्रम की शुरुआत जेसीआई के सदस्यों ने छात्रों को रक्षाबंधन व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के महत्व को साझा करते हुए की। सभी छात्रों को वॉटर कलर, बॉटल और स्टेशनरी वितरित की गई। ऐसे में छात्रों के बीच 15 से अधिक जेसीआई वामा के सदस्यों की उपस्थिति रहे, जिन्होंने सभी छात्रों को रचनात्मक ढंग से राखी तैयार करने की कला सिखाई। सदस्यों ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को सोशल मीडिया से दूर कर रचनात्मक क्रियाओं में समय बिताने के लिए प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम में प्रेसिडेंट आस्था बाफना, सेक्रेटरी दिव्या जैन, बीना सोमानी, मंजरी जैन, लीना वाढेर, बीना सोमानी, प्रीति अग्रवाल, रूपा सिंह, सुरभि गुरु, निकिता जैन आदि उपस्थित रहीं।

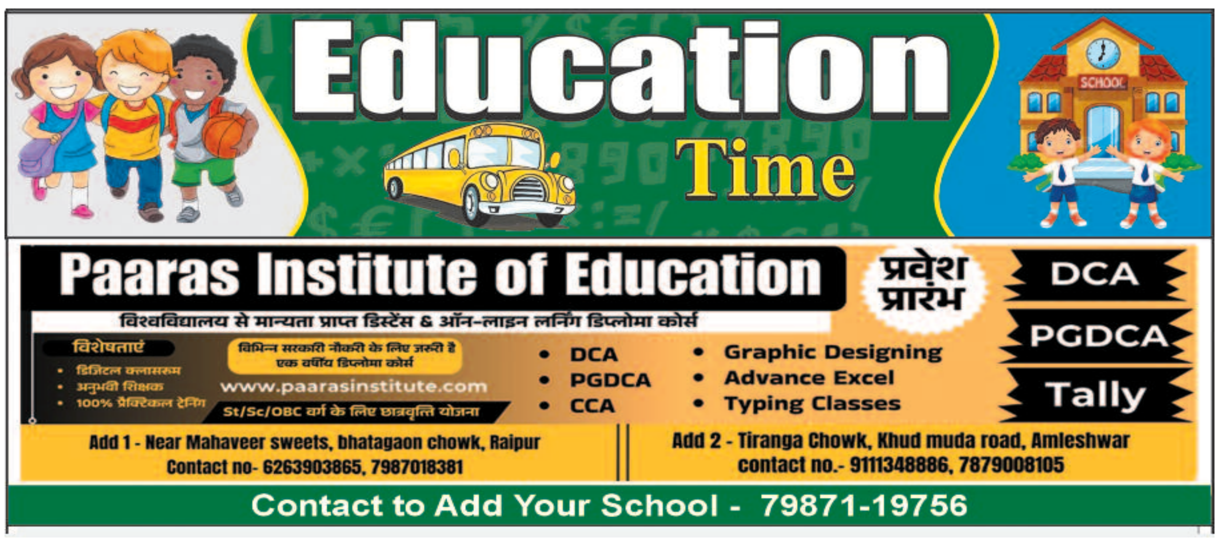

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-19 में छत्तीसगढ़ के बालाजी ने बनाए 70 रन

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन पुडुच्चेरी द्वारा मेंस अंडर 19 इंटर स्टेट वन डे अभ्यास मैच 2024-25 आयोजित किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित बंगाल, केरला, पुडुच्चेरी और हिमाचल प्रदेश आदि टीमें हिस्सा ले रहीं है। बुधवार को छत्तीसगढ़ का पहला मैच बंगाल के विरुद्व पुडुच्चेरी में खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बंगाल अंडर-19 ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 47।3 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 237 रन बनाये। बंगाल की ओर से आदित्य रॉय ने 77 रन तथा राजदीप पासवान ने 73 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से शिवम यादव ने 4 विकेट, रोहित तथा आदित्य श्रीवास्तव ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। 238 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ अंडर 19 टीम 49।1 ओवरों में 214 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। छत्तीसगढ़ अंडर 19 की ओर से बालाजी राव ने सर्वाधिक 70 रनों का योगदान दिया। वहीं बंगाल की ओर से विजय श्रीवास्तव ने 4 विकेट प्राप्त किये। बंगाल ने मैच 23 रनों से जीत लिया।

सीबीएसई वेस्ट जोन में शिवांगिनी व आरव बने बेस्ट तैराक

रायपुर। सीबीएसई फॉर वेस्ट जोन तैराकी प्रतियोगिता 18 से 20 जुलाई तक बरगढ़ में आयोजित की गई। जिसमें बालिका वर्ग में शिवांगी पांडे ने चैंपियनशिप के साथ 5 गोल्ड मेडल जीते। 50 मीटर बटरफ्लाई, 100 मी बटरफ्लाई, 200 एम बटरफ्लाई, 200 आईएम और 50 मीटर फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। बालक वर्ग में आरव शर्मा ने 5 गोल्ड मेडल प्राप्त कर चैंपियनशिप में कब्जा किया। 50 मी बैक स्ट्रोक 100 मी बैक स्ट्रोक 200 मी बैक स्ट्रोक 100 मीटर फ्रीस्टाइल और 200 मीटर फ्री स्टाइल में गोल्ड मेडल प्राप्त कर इन्होंने अपने ग्रुप में यह उपलब्धि हासिल की। दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से हैं। इसी तरह तैराक अयान अली खान का आईआईटी मद्रास में कंप्यूटर साइंस में चयन हुआ है। बिलासपुर कॉरपोरेशन तैराकी संघ ने शिवांगिनी और आरव के साथ अयान का भी विशेष सम्मान किया। इस अवसर पर कोच संतोष पाल, शंकर पांडे, स्नेहिल घोष, अमरनाथ सिंह, सतीश सिंह ठाकुर, हेमंत सिंह परिहार, बी एस यादव, मनोज कश्यप, सुनील शर्मा, विनय सिंह, दिनेश सिंह, ठाकुर चिंतामणि, अजय कश्यप, सागर सिंह परिहार, रमा सिंह, सुनीता शर्मा, मनीषा पालरिया, सोनू सिंह गीता, बबीता, मुनमुन घोष और सुषमा आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम का चयन 27 को, पंजीयन एक दिन पहले

भिलाई। भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट संघ द्वारा 33वीं जूनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप 17 सितंबर से 20 सितंबर तक आगरा उत्तर प्रदेश में आयोजित है। उक्त चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट बालक एवं बालिका टीम प्रतिनिधित्व करेगी। जिसके लिए 27 जुलाई को सुबह 9:00 बजे से 12:00 बजे तक अंतर जिला चयन स्पर्धा रखी गई है। जो भी बालक एवं बालिका चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं वह 26 जुलाई तक सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट संघ आजाद अहमद के पास अपने जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के साथ पंजीयन कर सकते हैं।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए तैराकों ने दिया ट्रायल

रायपुर। बिलासपुर जिला तैराकी संघ की टीम के गठन के लिए स्थानीय संजय तरण पुष्कर में चयन प्रतियोगिता आयोजित की गई। चयनित तैराक 26 से 27 जुलाई को भिलाई में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। सब जूनियर बॉयज में आयुष्मान वर्मा, प्रयाण तिवारी, अवनीश यादव, आगत्य सिंह, उद्धव निषाद, सब जूनियर गर्ल्स में आराध्या साव, वसुंधरा गुप्ता, काश्वी अग्रवाल, पूर्वी सोनी, वैभवी सोनी, जूनियर बॉयज में के प्रत्युष नायडू, प्रियांश सिरिया, आदित्य सिरिया, प्रत्युष सोनी, श्रीजीत नेगी, गगनेश गुर्जर, युगांक पांडेय, मोहम्मद नोमान, जूनियर गर्ल में देवांशी धारा, मेधाविनी गुप्ता, आधीजा सिंह, भव्य वर्मा, जूनियर बॉयज ग्रुप 1 में सिद्धार्थ मिश्रा, प्रिंस सिंह साव, अविशांश वैद्य, सैकत हलदर, जूनियर गर्ल्स ग्रुप 1 में रिद्धि रमन झा, संयोगिता सिंह, दिव्या पहाड़ी, टीम के कोच देवेंद्र सिंह ठाकुर और यश तिवारी रहेंगे। यह जानकारी बिलासपुर जिला तैराकी संघ के सचिव राजेश साहू ने दी।

क्या आपको भी कम दिखता है, आंखों के आगे छाई रहती हैं धुंध तो तुरंत हो जाएं सचेत

आंखों के आगे अगर छाया रहता है धुंधलका तो हो सकता है अनियंत्रित ब्लड प्रेशर का असर

लंबे समय से अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण आंखों की रेटिना को प्रभावित करने वाली बीमारी हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी कहलाती है। यह तब होती है, जब उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना की रक्त वाहिकाएं संकरी, मोटी या लीक होने लगती हैं। आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। आंखों की समस्याएं सिर्फ आंखों से ही संबंधित हों ये जरूरी नहीं है, कई बार ये कई और स्वास्थ्य स्थितियों के कारण भी हो सकती हैं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और तंत्रिकाओं से बीमारी से परेशान लोगों में भी आंखों से संबंधित दिक्कत होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। क्या आपको भी अक्सर धुंधला दिखने की समस्या बनी रहती है, आंखों के आगे कुछ स्पष्ट दिखता नहीं है? इसके लिए कौन सी वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं?

आधुनिक जीवनशैली में उच्च रक्तचाप एक आम समस्या बन चुकी है। उच्च रक्तचाप के साथ जीना पहले से ही भारी लग सकता है, लेकिन जब यह आपकी दृष्टि को प्रभावित करने लगे तो यह और भी चिंताजनक हो जाता है। हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी ऐसी ही एक स्थिति है जिसके बारे में जानना और पहले से ही बचाव के उपाय करते रहना जरूरी हो जाता है।

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी- आंखों की गंभीर समस्या

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी, लंबे समय से अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण आंखों की रेटिना को प्रभावित करने वाली बीमारी है। यह तब होती है, जब उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना की रक्त वाहिकाएं संकरी, मोटी या लीक होने लगती हैं, जिससे रेटिना को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। रेटिना वो परत है, जो आंख के पीछे होती है और प्रकाश को ग्रहण कर उसे मस्तिष्क को भेजती है, जिससे हम देख पाते हैं। जब रक्तचाप अधिक होता है तो यह रेटिना की छोटी-छोटी रक्त नलिकाओं पर अत्यधिक दबाव डालता है, जिसकी वजह से वे संकुचित हो सकती हैं, उनमें सूजन भी आ सकती है, रक्तस्राव हो सकता है और यहां तक कि रेटिना का कार्य बाधित हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग नरूला कहते हैं, हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी, उच्च रक्तचाप के कारण रेटिना को होने वाली क्षति है। इसकी जटिलताओं को रोकने के लिए नेत्र परीक्षण द्वारा शीघ्र पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्तचाप को नियंत्रित करने से आंखों की इस समस्या को बढ़ने, रोकने या धीमा करने में मदद मिलती है।

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता, यानी यह संक्रामक रोग नहीं है, इसका मुख्य कारण लंबे समय से अनियंत्रित रक्तचाप है। इस स्थिति के लिए मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान एवं शराब, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता जैसे कारक भी जिम्मेदार हैं। अगर आपको काफी समय से धुंधला दिखाई दे रहा है तो तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

कैसे करें इसकी पहचान?

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी के शुरुआती चरणों में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, लेकिन रोग के बढ़ने पर धुंधलापन, आंखों के सामने तैरते धब्बे या रेखाएं, दृष्टि में कमी हो सकती है। बहुत दुर्लभ स्थिति में आंखों की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो सकती है।

आंखों की इस समस्या से बचाव कैसे करें?

हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी का कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, परंतु इसके प्रभावों को रोका और नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए रक्तचाप को नियंत्रित करना, दवाओं का नियमित सेवन, जीवनशैली में बदलाव, खाने में नमक और वसा को कम करना, नियमित व्यायाम और तनाव प्रबंधन करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित नेत्र जांच कराना भी भविष्य में आपको इस समस्या से सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।

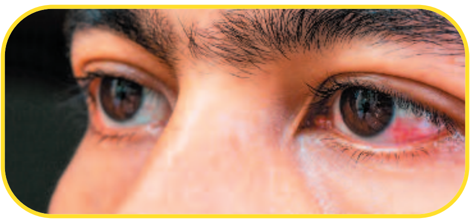

पेट पर जमा चर्बी का असर होता है सुनने-देखने और स्वाद लेने पर भी

वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि पेट की चर्बी हमारे स्वास्थ्य को अधिक व्यापक रूप से प्रभावित कर सकती है। ऐसे लोगों में सुनने और देखने की क्षमता से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और भोजन का ठीक से स्वाद लेने तक की समस्याएं विकसित हो सकती हैं। बढ़ा हुआ पेट सिर्फ आपके लुक को ही नहीं खराब करता है, बल्कि ये आपकी सेहत और शख्सियत दोनों के लिए ठीक नहीं है। इसे ऐसे भी समझें कि शर्ट से बाहर आने को आतुर पेट सिर्फ एक फैशन प्रॉब्लम नहीं, एक गंभीर हेल्थ अलार्म भी है।

पेट पर बढ़ी चर्बी (बेली फैट) को लेकर आपने अब तक यही सुना होगा कि इससे टाइप-2 डायबिटीज, हार्ट और मेटाबॉलिक गड़बड़ियों का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन एक नए अध्ययन में कई और चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, जिससे साफ होता है कि पेट निकलना हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत समस्याकारक है। हालिया शोध की रिपोर्ट से पता चलता है कि पेट पर जमा अतिरिक्त चर्बी सिर्फ अंदरूनी अंगों को ही नहीं, बल्कि हमारी पांच इंद्रियों में से तीन पर सीधा असर डाल सकती है। इससे आपके सुनने-देखने और भोजन का स्वाद लेने की क्षमता भी प्रभावित हो

सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपका भी पेट निकला हुआ है तो इसपर गंभीरता से ध्यान देना और इसे कम करने का प्रयास बहुत जरूरी है। आम सी दिखने वाली ये समस्या असल में आपके संपूर्ण स्वास्थ्य की दुश्मन साबित हो सकती है।

पेट की चर्बी कम कर सकती है सुनने-देखने की शक्ति

पेट निकलने को लंबे समय से आपके आहार और जीवनशैली की समस्या के संकेत के तौर पर देखा जाता रहा है। विसरल फैट (पेट की चर्बी) लिवर और हृदय जैसे महत्वपूर्ण अंगों के आसपास वसायुक्त ऊतकों का जमाव होता है।आमतौर पर ये उन कोशिकाओं से बनी होती है जो शरीर में विषैले रसायनों और हार्मोनों का स्राव करती है। यही कारण है कि बेली फैट वाले लोगों में इंफ्लेमेशन, हृदय रोग, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण होने वाले अन्य दुष्प्रभावों को समझने के लिए अध्ययन कर रही वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि पेट की चर्बी स्वास्थ्य को और अधिक व्यापक रूप से प्रभावित कर सकती है। ऐसे लोगों में सुनने और देखने की क्षमता से लेकर मानसिक स्वास्थ्य और भोजन का ठीक से स्वाद लेने तक की समस्याएं विकसित हो सकती हैं।

डिप्रेशन का भी बढ़ जाता है खतरा

वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन वयस्कों के पेट पर अतिरिक्त चर्बी होती है, उनमें अवसाद का खतरा भी अधिक होता है। चीन के जियांग्या स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 7,258 मध्यम आयु वर्ग के उन पुरुषों और महिलाओं को इस शोध में शामिल किया जिनका बॉडी राउंडनेस इंडेक्स (लंबाई की तुलना में कमर की परिधि का माप) अधिक था। ऐसे लोगों में डिप्रेशन होने की समस्या, सामान्य पेट वालों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत ज्यादा थी।

माइक्रोवेव से लीजिए दूसरे काम भी

एक सवाल आपसे पूछा जाए कि आप माइक्रोवेव का इस्तेमाल किन चीज़ों के लिए करते हैं तो आप उसके लिए क्या कहेंगे? यकीन मानिए अधिकतर लोग माइक्रोवेव का इस्तेमाल सिर्फ और सिर्फ खाना गर्म करने के लिए या केक बेक करने के लिए करते हैं। आपको शायद पता ना हो, लेकिन माइक्रोवेव से पूरा खाना भी तैयार किया जा सकता है।

अगर खाने-पीने को छोड़ दिया जाए तो भी माइक्रोवेव बहुत सारे ऐसे काम कर लेता है जिससे आपको घर में बहुत मदद मिल सकती है। जी हां, माइक्रोवेव का इस्तेमाल अगर आप ठीक तरह से करती हैं तो रोज़मर्रा के कुछ बहुत आसानी से हो सकते हैं।

जानिए क्या हैं वो काम...

कपड़ों को डाई करना

आपको शायद माइक्रोवेव की इस ताकत का अंदाज़ा नहीं है, लेकिन यकीन मानिए ये आपके क्राफ्ट्स और टी-शर्ट आदि को बहुत अच्छे से डाई भी कर सकता है। ऊन और सिल्क जैसे कपड़ों के लिए भी ये अच्छा साबित हो सकता है। बस एक बड़े बर्तन में पानी में कलरफुल ड्रिंक पाउडर या फिर कोई नेचुरल डाई डालकर माइक्रोवेव में रखें और उसमें वो कपड़ा डाल दें। कुछ ही मिनटों में माइक्रोवेव की हीट कपड़ों में डाई कर देगी। हां, ध्यान रखें कि माइक्रोवेव की हीट बहुत ज्यादा ना हो और नायलॉन, सिंथेटिक जैसा कोई कपड़ा ना रखें जिसके आग पकड़ने की गुंजाइश हो।

किसी लिफाफे से हटाएं स्टैंप-

किसी कागज से स्टैंप हटाने की कोशिश की जाए तो ये कागज हमेशा फट जाता है। ऐसे में आप अपने स्टैंप कलेक्शन के लिए या किसी स्टैंप को रीयूज करने के लिए काम नहीं कर पाते। बिना डैमेज किए अगर स्टैंप को निकालना है तो उसके लिए माइक्रोवेव सबसे अच्छा साधन हो सकता है। सिर्फ 20 सेकंड के लिए इसे माइक्रोवेव में रखें और आप पाएंगे कि स्टैंप के पीछे का ग्लू बहुत ही आसानी से निकल गया है।

मिट्टी को करें स्टेराइल

गार्डनिंग के लिए स्टेराइल सॉइल काफी मददगार साबित हो सकती है। यकीनन मिट्टी में अगर कोई पेस्टिसाइड या फंगस होगी तो वो पौधे के लिए अच्छी नहीं होगी। ऐसे में मिट्टी को 90 सेकंड तक माइक्रोवेव करने से वो काफी हद तक स्टेराइल हो सकती है। अगर मिट्टी में पहले से कोई सीड्स होंगे या फिर वीड आदि उग रही होगी तो वो भी खत्म हो जाएंगे। बस इसके बाद मिट्टी को ठंडा कीजिए उसमें ऑर्गेनिक खाद मिलाएं और फिर

दालचीनी का पाउडर घर में बढ़ाएगा पॉजिटिविटी इसके इस्तेमाल से आपको मिलेंगे कई फायदे

दालचीनी पाउडर को हमारी घर की किचन में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आप अपने घर में पॉजिटिविटी को बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। पंडित जन्मेश द्विवेदी इस बारे में बता रहे हैं, जिससे आप के घर में सकारात्मक बदलाव दिखे।

जानिए फायदे

दालचीनी की खुशबू काफी तेज होती है। इससे घर का वातावरण बिल्कुल शुद्ध हो जाता है। साथ ही, आपके जीवन में धन, सौभाग्य और समृद्धि आती है। इससे आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा भी दूर रहती है। सात ही, आपका मन धार्मिक कार्यों में लगता है। इससे आपके मन में भी पवित्रता बनी रहती है। इसलिए इसका इस्तेमाल घर में सकारात्मकता के लिए कर सकते हैं।

किस तरह करें इस्तेमाल

दालचीनी का पाउडर आप दीये में डालकर इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। इससे आपके घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाएगी। घर में पॉजिटिव माहौल बना रहेगा। धन लाभ के लिए आप घर दालचीनी पाउडर को एक छोटी सी शीशी में डालें। इसमें एक सिक्का डालकर तिजोरी में रख दें। इससे आपके जीवन में स्थिरता बनी रहेगी। दालचीनी का पाउडर किसी से मांगकर इस्तेमाल न करें। इसका इस्तेमाल शनिवार या पूर्णिमा को घर पर छिड़काव करें। आप मुख्य द्वार पर पानी में मिलाकर इसे इस्तेमाल करें। लेकिन इसके बाद इस पानी को साफ न करें। एक कटोरी में थोड़ा सा दालचीनी पाउडर रखकर ड्रॉइंग रूम में रखें यह ऊर्जा को संतुलित करता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'अवतार: फायर एंड ऐश' का पोस्टर जारी, नए विलेन की धमाकेदार एंट्री

हॉलीवुड फिल्म 'अवतार' भारत में भी काफी लोकप्रिय है और दर्शक इसके अगले पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फ्रेंचाइजी के अब तक दो पार्ट आए हैं और दोनों को ही दर्शकों ने काफी पसंद किया है और फिल्म ने कमाई में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशी की खबर है। क्योंकि मेकर्स ने 'अवतारः फायर एंड ऐश' का नया पोस्टर जारी कर दिया है। साथ ही फिल्म को लेकर भी बड़ी अपडेट शेयर की है। जेम्स कैमरून की 'अवतारः फायर एंड ऐश' पेंडोरा की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज को लेकर भी बड़ी अपडेट दे दी है। साथ ही इस पोस्टर के साथ फिल्म के नए विलेन के बारे में भी मेकर्स ने जानकारी दी है। फिल्म के नए पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है, 'अवतारः फायर एंड ऐश से वरंग से मिलिए।' इसके जरिए मेकर्स ने ये भी बता दिया है कि फिल्म का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज होने वाली 'द फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' के साथ सिनेमाघरों में देखने को मिलेगा। इस साल के आखिरी में 19 दिसंबर को 'अवतारः फायर एंड ऐश सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के नए विलेन वरंग की एंट्री से फिल्म को लेकर दर्शक और भी उत्साहित हो गए हैं। वरंग के किरदार को अभिनेता ऊना चैपलिन ने निभाया है। मेकर्स ने वारंग का नया पोस्टर जारी करते हुए उसे मंगक्वान कबीले या ऐश पीपल की नेता बताया गया है। नावी ज्वालामुखियों के पास के खतरनाक एरिया में रहती है। जो पेंडोरा के वातावरण में एक नया रंग लाती है। वरंग के किरदार की एंट्री से फिल्म के और भी रोचक होने की उम्मीद है।

टॉलीवुड

मेकर्स ने दिखाई 'कंतारा चैप्टर 1' की खास झलक, शेयर की फिल्म से जुड़ी अपडेट

'कंतारा' के हिट होने के बाद से ही दर्शक इस फिल्म के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने 'कंतारा ए लीजेंड चैप्टर 1' से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। साउथ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी की मच अवेटेड फिल्म 'कंतारा ए लीजेंड चैप्टर 1' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2022 में 'कंतारा' का अगला पार्ट है। अब मेकर्स ने कंतारा चैप्टर 1 से जुड़ी एक बड़ी अपडेट साझा की है। जिसके बाद दर्शकों का फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है।

दरअसल, मेकर्स ने 'कंतारा ए लीजेंड चैप्टर 1' से जुड़ा एक खास वीडियो साझा किया है। इसके साथ ही मेकर्स ने ये जानकारी दी है कि 'कंतारा ए लीजेंड चैप्टर 1' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। साथ ही मेकर्स ने फिल्म की मेकिंग से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में फिल्म की मेकिंग की झलक दिख रही है। साथ ही ऋषभ शेट्टी का एक संदेश भी है। मेकर्स की ओर से शेयर किए गए इस वीडियो में फिल्म की मेकिंग की पूरी झलक है। जिसमें अलग-अलग सीन को कैसे फिल्माया गया है, ये दिखता है। साथ ही ऋषभ शेट्टी फिल्म के लिए तैयारी करते दिखते हैं। वो कभी तलवारबाजी की प्रैक्टिस कर रहे हैं तो कभी वो अपने एक्शन सीन की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा फिल्म के आउटडोर और इनडोर शूट के सेट की भी कई झलक दिखती हैं।

इसके साथ ही वीडियो में एक वॉइस ओवर भी है, जो ऋषभ शेट्टी की तरफ से है। इस वॉइस ओवर में ऋषभ इस फिल्म के सफर के बारे में बात करते हैं। वॉइस ओवर में ऋषभ कहते हैं 'मेरा एक सपना है, अपने गांव की कहानी पूरी दुनिया को बताने का। जिसमें मेरे लोग और हमारा विश्वास है। जब मैंने अपना सपना हकीकत में बदलना चाहा, तो हजारों लोग मेरे साथ खड़े हो गए। तीन साल की कड़ी मेहनत और 250 दिन तक चली शूटिंग। चाहें जितनी कठिनाइयां आईं, लेकिन दैव (भरोसे) ने मेरा साथ नहीं छोड़ा। मेरी क्रू और मेरे निर्माता हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। जब मैं इसे देखता हूं तो एक बात का एहसास होता है कि ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक शक्ति है।'

भोजपुरी

रवि किशन का नया अवतार, 'सन ऑफ सरदार 2' के सेट से वीडियो हुआ वायरल

भोजपुरी स्टार रवि किशन ने 'सन ऑफ सरदार 2' के सेट से नया वीडियो पोस्ट किया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो सरदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनका ये अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है और वे उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' अगले महीने रिलीज के लिए तैयार है। इसमें भोजपुरी स्टार रवि किशन भी नजर आएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर शूटिंग का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो सरदार वाले लुक में हैं। उनका ये अवतार देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए रवि किशन ने कैप्शन में सिर्फ फिल्म का नाम लिखा है, वो भी हैशटैग में। वो फिल्म के सेट पर हैं। गाने की शूटिंग हो रही है। इसके बोले हैं- नचले नचले नचले मेरे नाल वे...। रवि किशन पूरे सरदार वाले अटायर में हैं। कुर्ता, पजामा और उसपर कोटी। लंबी दाढ़ी और सिर पर पगड़ी। वो बैकग्राउंड डांसर के साथ डांस कर रहे हैं। वो स्टेप्स की प्रैक्टिस करते दिख रहे हैं। एक फैन ने कॉमेंट किया, 'वाह भैया जी।' दूसरे ने कहा, 'गजब लग रहे हो पाजी'। एक और फैन ने तारीफ करते हुए कहा, 'सुपर हैं आप।' ये फिल्म 1 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

खेत की मॉडल

लाइफ स्टाइल

अगर आपको लगता होगा कि घने खेत फैशन के बाहर हैं तो आप गलत हैं। न्यू यॉर्क फैशन वीक के समर सेट में पूरा माहौल खेतों का है। चमड़े और प्राकृतिक रंगों वाले कपड़ों के साथ यहां जंगली घास की भरमार है। हालांकि मॉडल शीशे वाले फर्श पर इठला रही हैं । ऐसा लग रहा है मानों खेतों पर फैशन शो होने जा रहा है।

ताजा गुलाब निखार लाएगा आपके चेहरे पर

अगर आपके घर पर भी गुलाब का पौधा लगा है तो इसे चेहरे पर लगाने के फायदे जान लें। इससे आपको काफी फायदा मिलने वाला है। गुलाब देखने में कितना प्यारा लगता है। ये प्यार के साथ-साथ दोस्ती की भी निशानी होती है। लोग नये रिश्ते की शुरुआत करते समय गुलाब को ही तोहफे में देते हैं। खासतौर पर अगर गुलाब ताजा हो, तब तो उसकी खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। पर, क्या आप जानते हैं कि लाल गुलाब में ऐसे प्राकृतिक गुण होते हैं जो त्वचा की कई समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं।

खासकर घरेलू ब्यूटी रूटीन में गुलाब का प्रयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसी के चलते हम आपको स लेख में न सिर्फ चेहरे पर गुलाब इस्तेमाल करने का फायदा बताएंगे, बल्कि साथ में इसके इस्तेमाल का तरीका भी बताएंगे। ताकि आप घर बैठे गुलाबी रंगत वाली त्वचा पा सकें।

इस्तेमाल का तरीका जान लें

यदि आप गुलाब का इस्तेमाल चेहरे पर करना चाहते हैं तो आप इससे टोनर बना सकते हैं। यदि टोनर नहीं बनाना है तो गुलाब की पत्तियों को पीसकर इससे फेस पैक तैयार करें। आप इसकी मदद से गुलाब जल तैयार करके उससे भी अपना चेहरा चमका सकते हैं। अब जान लेते हैं कि गुलाब आपके चेहरे को कैसे फायदा पहुंचाता है

पिंपल्स और मुंहासे करेगा दूर

गुलाब जल या गुलाब की पेस्ट लगाने से पिंपल्स कम होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गुलाब की पंखुड़ियों में एंटीसेप्टिक और

एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन पर बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते हैं, इसलिए आप हफ्ते में तीन बार गुलाब की पंखुड़ियों से पैक बनाकर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

डार्क सर्कल्स और थकी हुई आंखें

यदि आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं या फिरआपकी आंखे सूजी रहती हैं, तो भी आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए, चेहरे को साफ करके गुलाब की पंखुड़ियों को पीस लें। इसके बाद इस पेस्ट को आंखों के नीचे लगाएं और फिर असर देखें।

सनबर्न से छुटकारा

यदि धूप से आपकी त्वचा झुलस गई है तो भी आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि बारिश और गर्मी से आपकी त्वचा बेजान हो गई है और रंगत एक टोन डाउन हो गई है तो गुलाब की पत्तियों का पेस्ट नियमित इस्तेमाल करें।

हरियाली तीज पर प्रिंटेड साड़ियां आपके लुक में लगाएंगी चार चांद

अगर आप हरियाली तीज पर स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो आप इस तरह की प्रिंटेड साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक खूबसूरत नजर आएगा। हरियाली तीज इस साल 27 जुलाई को पड़ रही है। इस मौके पर महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, वहीं ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए साड़ी स्टाइल करती हैं। हरियाली तीज पर पहनने के लिए साड़ियां आपको कई सारे रंग और डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएंगी। लेकिन, अगर आप न्यू लुक और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आप इस तरह की प्रिंटेड साड़ी पहन सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आएगा।

ब्लॉक प्रिंट साड़ी

अगर आप कुछ न्यू ट्राई करना चाहती हैं, तो आप इस तरह की ब्लॉक प्रिंट साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी में बेहद ही खूबसूरत प्रिंट करके डिजाइन बनाया गया है और इस साड़ी को स्टाइल करने के बाद आप अलग और स्टाइलिश नजर आएंगी। इस तरह की साड़ियां आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएंगी जिन्हें आप बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सस्ते दाम में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इस साड़ी में अपने लुक को स्टाइलिश टच देने के लिए आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ झुमके पहन सकती हैं।

जरी वर्क शिफॉन साड़ी

अगर आप इस खास मौके पर लाल रंग की साड़ी सर्च कर रही हैं, तो आप इस तरह की रेड जरी वर्क शिफॉन साड़ी पहन सकती हैं। इस साड़ी में जरी वर्क किया हुआ है और यह शिफॉन फैब्रिक में है। यह साड़ी हरियाली तीज के मौके पर ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए बेस्ट है और इस साड़ी में आप बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगी। यह साड़ी आपको ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों ही जगहों से लगभग 1,500 रुपये की कीमत में मिल सकती है। इस साड़ी को स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इसे स्टाइलिश ब्लाउज के साथ पहन सकती हैं। वहीं, मिरर वर्क इयररिंग्स इस आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट ऑप्शन होसकते हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड साड़ी

अगर आप कुछ न्यू ट्राईकरना चाहती हैं साथ ही, ये भी चाहती हैं कि आपका लुक सबसे अलग नजर आए, तो आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंटेड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं।

बारिश में भी त्वचा हो रही है काली तो करें घरेलू उपाय

धूप की वजह से स्किन पर टैनिंग होना बेहद स्वाभाविक है, लेकिन बारिश की वजह से भी स्किन पर टैनिंग होने लगी है। इस टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए हम यहां कुछ घरेलू नुस्खे आपको बताने जा रहे हैं। अक्सर लोगों को लगता है कि टैनिंग सिर्फ धूप से होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। बारिश के मौसम में भी टैनिंग लोगों को खूब परेशान करती है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताएंगे, जिनको फॉलो करने के बाद आप जिद्दी टैनिंग से छुटकारा पा सकते हैं।

पहला नुस्खा

अगर बात करें पहले नुस्खे की तो इसे आजमाने के लिए आपको 2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच दही, एक चुटकी हल्दी, कुछ बूंदें नींबू का रस की जरूरत पड़ेगी। आपको इन तीनों चीजों को मिलाकर पेस्ट बनाना है। जब ये पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे अपने हाथों के साथ-साथ उस त्वचा पर अप्लाई करें, जहां की स्किन पर टैनिंग हुई हो। अब 15-20 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़कर धो लें। इस पैक को इस्तेमाल करने से मृत त्वचा हटती है, जिससे त्वचा में निखार आता है। आपके चेहरे का निखार दिनभर बना रहेगा।

दूसरा नुस्खा

बात करें दूसरे नुस्खे की तो इसको ट्राई करने के लिए आपको सिर्फ कच्चे आलू की जरूरत पड़ेगी। आपको सबसे पहले आलू का रस निकालना पड़ेगा। कच्चे आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकालें और त्वचा पर लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें। आलू में ब्लीचिंग एजेंट होते हैं जो त्वचा का रंग साफ करते हैं।

तीसरा नुस्खा

इस नुस्खे को ट्राई करने के लिए आपको टमाटर की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले टमाटर को मैश करना है। इसके बाद इसे उस त्वचा पर लगाएं, जहां टैनिंग हो गई है। अब इस जगह पर हल्के हाथ से स्क्रब करें और 15 मिनट बाद अपनी त्वचा को धो लें। टमाटर में लाइकोपीन होता है जो टैनिंग कम करता है।

हील्स खरीदते वक्त ध्यान में रखें कुछ बातें, वरना खुद को संभालना हो जाएगा मुश्किल

सही हील्स आपके लुक को न सिर्फ खूबसूरत बना सकती हैं बल्कि इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ऐसे में इसे खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

सही होना साइज

न तो ज्यादा ढीली और न ही ज्यादा टाइट, हील्स हमेशा परफेक्ट होनी चाहिए। सही फिटिंग वाली हील्स ही पैर में अच्छी लगती हैं। यदि ये ढीली या टाइट होंगी तो इसकी वजह से चलने में दिक्कत होती है। ऐसे में हमेशा सही साइज की ही हील्स खरीदें, ताकि इसको पहनकर आपको किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

क्वालिटी चेक करें

हील्स खरीदते समय उसकी क्वालिटी अवश्य चेक करें। सस्ते सामान से बनी हील्स जल्दी खराब हो सकती हैं। इसके अलावा ऐसी हील्स चलते-चलते

टूट भी जाती हैं, जिसके बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए हील्स खरीदते समय उसकी क्वालिटी अवश्य चेक करें।

पैडिंग और सोल की क्वालिटी देखें

हर हील्स के अंदर पैडिंग होती है, जिससे पैरों को सहारा मिलता है और दर्द भी नहीं होता है। ऐसे में अगर पैडिंग की क्वालिटी खराब होगी, इससे भी आपके पैरों को काफी दिक्कत होगी। इसके साथ-साथ चेक करें कि हील्स का सोल टिकाऊ है या नहीं, वरना फिसलने का खतरा बना रहेगा।

सही डिजाइन का चयन करें

हील्स खरीदते समय हमेशा पहले ये प्लान करें कि आपको हील्स किस मौके के लिए चाहिए। जैसे कि पार्टी, ऑफिस या कैजुअल के लिए अलग-अलग स्टाइल के हील्स चुनें।

कार्नर न्यूज

मेकअप लगाना अच्छी बात है, लेकिन इसे हटाना होता है मुश्किल

जानिए मेकअप हटाने का स्टेप-बाय-स्टेप तरीका

हल्का-सा मेकअप का टच-अप आपकी खूबसूरती को निखार देता है और आत्मविश्वास भर देता है। जानकार कहते हैं कि इसे सही समय पर और सही तरीके से हटाना भी बेहद जरूरी है।

कोई शादी हो, पार्टी हो या ऑफिस जाना हो, आप जरूरत के हिसाब से अपनी सुंदरता को उभारने के लिए, लाइट और हैवी मेकअप करती हैं। असल में मेकअप में चेहरे की सुंदरता को उभारने के लिए विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पादों का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए विशेषज्ञ मेकअप सही समय पर सही तरीके से हटाने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपको सही तरीका पता है?

माइल्ड मेकअप रिमूवर

अक्सर महिलाएं थकान या आलस के कारण मेकअप हटाए बिना ही सो जाती हैं, लेकिन यह स्किन के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। मेकअप रात भर चेहरे पर रहने से पोर्स बंद हो जाते हैं और त्वचा सांस नहीं ले पाती, जिससे पिंपल्स,

डलनेस और स्किन एलर्जी की समस्या हो सकती है। इसलिए चाहे दिन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, मेकअप जरूर हटाएं। इसके लिए माइल्ड मेकअप रिमूवर, क्लींजिंग ऑयल या माइसेलर वाटर का इस्तेमाल करें। कॉटन पैड पर रिमूवर लेकर हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं और धीरे-धीरे साफ करें, ताकि स्किन को कोई नुकसान न हो।

आंखों के लिए अलग

आई मेकअप हटाने के लिए हमेशा अलग और सौम्य आई मेकअप रिमूवर का उपयोग करें, क्योंकि आंखों की त्वचा बेहद नाजुक और संवेदनशील होती है। मस्कारा, काजल और आईलाइनर को हटाते समय ध्यान रखें कि जोर से न रगड़ें। एक कॉटन पैड को रिमूवर में अच्छी तरह भिगो लें और उसे कुछ सेकंड्स तक आंखों पर रखें। इससे मेकअप ढीला हो जाएगा। फिर हल्के हाथों से पोंछते हुए आई मेकअप को साफ करें। यह तरीका आंखों को नुकसान पहुंचाए बिना मेकअप हटाने में कारगर होता है।

अब फेस वॉश की बारी

जब मेकअप पूरी तरह से कॉटन से हट जाए, तब एक माइल्ड फेस वॉश लें, जो आपकी स्किन टाइप का हो। ड्राई स्किन के लिए हाइड्रेटिंग और ऑयली स्किन के लिए ऑयल-कंट्रोल फेस वॉश बेहतर रहता है। अब हल्के हाथों से फेस वॉश को चेहरे पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में मसाज कर सामान्य या ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे स्किन पर बचा हुआ मेकअप, धूल-मिट्टी और अतिरिक्त ऑयल साफ हो जाता है और स्किन फ्रेश, क्लीन तथा सांस लेने के लिए तैयार हो जाती है।

टोनर और मॉइश्चराइजर

मेकअप हटाने और चेहरा धोने के बाद त्वचा अक्सर रूखी महसूस होती है, इसलिए उसे मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए लाइटवेट या हाइड्रेटिंग मॉइश्चराइजर का उपयोग करें, जो त्वचा में नमी बनाए रखता है और स्किन को हाइड्रेट रखता है। इसके साथ ही टोनर का इस्तेमाल करना भी जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा का पीएच बैलेंस करता है, ओपन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे को ताजगी प्रदान करता है। इन दोनों स्टेप्स को अपनाकर आप अपनी स्किन को लंबे समय तक हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

मेकअप आर्टिस्ट ने कही ये बात

मेकअप आर्टिस्ट, तान्या चोपड़ा गोगिया का कहना है मेकअप हटाना स्किन केयर का अहम हिस्सा है, ताकि त्वचा को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए सबसे पहले आप बेबी ऑयल को लेकर चेहरे पर मसाज करें। बेबी ऑयल मेकअप को पिघला देता है और आसानी से मेकअप हटाने में मदद करता है। फिर सीटीएम रूल को फॉलो करें यानी क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग। क्लींजिंग आप दो बार करें, ताकि मेकअप अच्छी तरह साफ हो जाए।